सच की सशक्त आवाज़

सत्य • निष्पक्ष • निर्भीक

युग सृष्टि

हिंदी दैनिक

जन-जन की आवाज़, युग की सृष्टि

RNI No. 127408

वर्ष : 13, अंक : 292 | लखनऊ, मंगलवार 22 सितम्बर 2026 | पेज - 8 | मूल्य : 2 रूपया

9 लाख नौकरियां दे चुके अगले 6 माह में एक लाख और देंगे, सकारात्मक सोच व संकल्प का नाम है युवा : सीएम

* मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ में युवा संसद को संबोधित करते हुए कहा कि युवा केवल उम्र का नहीं, बल्कि सकारात्मक सोच और संकल्प का नाम है।
* उन्होंने युवाओं से 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

संवाददाता।

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय में आयोजित युवा संसद में युवाओं को राष्ट्र निर्माण का केंद्र बताते हुए कहा कि युवा केवल उम्र का नाम नहीं है, बल्कि कार्य करने की नीयत, निर्णय लेने की क्षमता और चुनौती को अवसर में बदलने वाली सकारात्मक सोच का नाम है। उन्होंने युवाओं से अपनी विरासत, राष्ट्र नायकों और देश के प्रति श्रद्धा का भाव रखते हुए वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प से जुड़ने का आह्वान किया। सुभारती विश्वविद्यालय में मुख्यमंत्री का युवा संवाद कार्यक्रम सोमवार को आयोजित हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय परंपरा में 16 से 35 वर्ष की आयु को युवा माना गया है, लेकिन वास्तविक अर्थ में युवा वह है जो चुनौतियों से घबराता नहीं और समाधान की दिशा में आगे बढ़ता है। उन्होंने युवाओं के सामने भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, महात्मा बुद्ध, स्वामी विवेकानंद, महाराणा प्रताप, गुरु गोविंद सिंह, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, वीर सावरकर और काकोरी के क्रांतिकारियों के उदाहरण रखे। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने 27 वर्ष की आयु में संघर्ष का नेतृत्व किया, वीर सावरकर ने 28 वर्ष की आयु में कालापानी की सजा झेली और नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' का आह्वान किया। इन उदाहरणों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने युवाओं से राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए आगे बढ़ने की अपील की। मुख्यमंत्री ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश, विशेषकर मेरठ के बदलाव का उल्लेख करते हुए कहा कि 2017 से पहले प्रदेश के सामने पहचान का संकट था। मेरठ में चोरी के वाहनों के कटान और अपराध के लिए बदनाम स्थानों पर अब विकास और औद्योगिक गतिविधियां दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था में सुधार के बाद बेटियों की सुरक्षा, व्यापार और निवेश का वातावरण मजबूत हुआ है। योगी ने मेरठ में स्थापित मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी और खेल उत्पादों को ओडीओपी के तहत मिली पहचान को भी प्रमुखता से रखा। उन्होंने कहा कि मेरठ अब खेल उद्योग के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा और तकनीकी विकास का केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग कारिडोर में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश में 'कट्टा कल्चर' की जगह रक्षा उत्पादन ने ली है। उनके अनुसार ब्रह्मोस परियोजना के लिए प्रदेश के आइटीआइ, डिप्लोमा और इंजीनियरिंग संस्थानों से 500 से अधिक युवाओं का चयन किया गया है। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता सरकार की प्राथमिकता योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में नौ लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां दी गई हैं और अगले छह माह में एक लाख और युवाओं को रोजगार देने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता को सरकार की प्राथमिकता बताया। उन्होंने कहा कि रोजगार केवल सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं है। ओडीओपी के माध्यम से प्रदेश में 3.25 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिलने का दावा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में करीब 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं, जिनमें लगभग 15 लाख करोड़ रुपये के प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने जनधन खातों, मोबाइल और डिजिटल लेनदेन का उल्लेख करते हुए कहा कि डिजिटल व्यवस्था से सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में पहुंच रहा है। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार और बिचौलियों पर अंकुश लगाने वाला माध्यम बताया। गन्ना किसानों के भुगतान का आंकड़ा रखते हुए मुख्यमंत्री ने 2012 से 2017 के बीच की तत्कालीन सरकार और 2017 के बाद की सरकार के भुगतान की तुलना की। उनके संबोधन में कहा गया कि 2012-17 के दौरान करीब 95,000 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान हुआ, जबकि 2017 के बाद भुगतान का आंकड़ा इससे काफी अधिक रहा। यह आंकड़ा मुख्यमंत्री द्वारा अपने संबोधन में रखा गया।

पश्चिम बंगाल पीएम मत्स्य संपदा योजना में शामिल, मछुआरों को मिलेंगे ऋण और अन्य लाभ

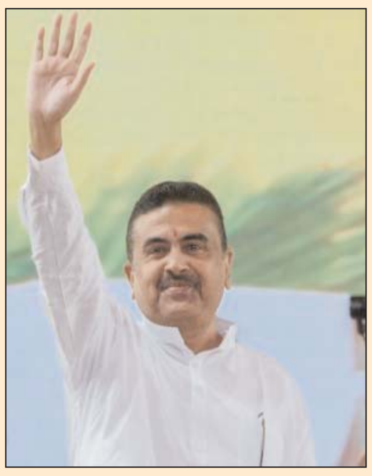

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार सोमवार को औपचारिक रूप से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) में शामिल हो गई। यह केंद्र सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य बुनियादी ढांचे की कमियों को दूर करना और मत्स्य पालन क्षेत्र को मजबूत करना है। मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कोलकाता के न्यूटाउन में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह से मुलाकात कर इस निर्णय को अंतिम रूप दिया। डेढ़ घंटे की बैठक के बाद, अधिकारी ने घोषणा की कि पश्चिम बंगाल को पीएमएमएसवाई योजना के अंतर्गत शामिल कर लिया गया है। उन्होंने कहा, %%राज्य के मत्स्य पालन क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। हमने इस पर कई बार चर्चा की है। आज मैं विशेष रूप से केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने हमारी चिंताओं को सुना और मत्स्य पालन विकास के लिए 9 करोड़ रुपए दिए। आज से मछुआरों को जरूरत के अनुसार ऋण और अन्य लाभ मिलेंगे।÷

अधिकारी ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस की पिछली सरकार पर पश्चिम बंगाल को इस योजना में पहले शामिल न करके मछुआरों को वंचित करने का आरोप लगाया।

केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री का समर्थन करते हुए कहा कि पिछली सरकार के असहयोग के कारण केंद्र सरकार के प्रयास ठप हो गए थे।

अधिकारी ने आगे कहा कि सुंदरबन समेत तटीय क्षेत्रों का विकास किया जाएगा। दक्षिण बंगाल में हमारे पास समुद्र और नदियां हैं। वहां के मछुआरों की अपनी समस्याएं हैं। हमारे प्रस्तावों के बाद केंद्रीय मंत्री ने बांकुड़ा और पुरुलिया जिलों में छह अमृत सरोवरों को मंजूरी दी है।

मंत्री राजीव रंजन सिंह ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से लंबित कई काम पिछले चार महीनों में पूरे कर दिए गए हैं।

महाराष्ट्र की बड़ी पहल वैश्विक कार्यबल गतिशीलता नीति 2026 लॉन्च, कौशल पासपोर्ट और नैतिक भर्ती पर फोकस

मुंबई । वैश्विक रोजगार की बदलती जरूरतों के अनुरूप, महाराष्ट्र के युवाओं को कौशल और भाषा प्रशिक्षण प्रदान करके अंतर्राष्ट्रीय रोजगार के लिए सशक्त बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विभिन्न देशों की कुशल जनशक्ति की आवश्यकता को पहचानते हुए देशवार %कौशल पासपोर्ट% तैयार करने, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों और अन्य प्रशिक्षण संस्थानों को अपने पाठ्यक्रम को अपडेट करने और वैश्विक कार्यबल गतिशीलता नीति के तहत महाराष्ट्र के लिए विदेश में रोजगार के लिए एक सुरक्षित भर्ती प्रणाली विकसित करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री फडणवीस सह्याद्री गेस्ट हाउस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय श्रम गतिशीलता पर एक दिवसीय उच्च स्तरीय सम्मेलन में बोल रहे थे। यह सम्मेलन महाराष्ट्र इंस्टीट्यूशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन (मित्रा), प्रोटोकॉल विभाग, कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग और महाराष्ट्र एजेंसी फॉर होलिस्टिक इंटरनेशनल मोबिलिटी एंड एडवांसमेंट (महिमा) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बदलती जनसंख्या और बढ़ती वृद्धावस्था के कारण

वंदे मातरम विवाद पर प्रह्लाद जोशी का कर्नाटक सरकार पर हमला, संसद में मुद्दा उठाने की चेतावनी

एजेंसी।

बेंगलुरु। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने सोमवार को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि वंदे मातरम के गायन को केवल दो अंतरों तक सीमित करने के फैसले का मुद्दा भाजपा संसद में उठाएगी। दिल्ली में मीडिया से बातचीत के दौरान जोशी ने आरोप लगाया कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ÷राष्ट्रविरोधी÷ सोच के साथ काम कर रही है और मनमाने व कथित तौर पर गैरकानूनी आदेश जारी कर ÷तुगलकी शासन÷ चला रही है। उन्होंने कहा कि विधान सौधा में वंदे मातरम का आधिकारिक गायन केवल दो अंतरों तक सीमित करना राष्ट्रीय गौरव का अपमान है और भाजपा इसके खिलाफ संसद में आवाज उठाएगी। जोशी ने कहा, ÷कांग्रेस ने देशभक्ति का अपना नकाब पूरी तरह उतार दिया है। वंदे मातरम को सिर्फ दो अंतरों तक सीमित करना बेहद निंदनीय और शर्मनाक है।÷ केंद्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व वाली सरकार की भी आलोचना करते हुए कहा कि कर्नाटक की जनता को ऐसी कार्रवाई की उम्मीद नहीं थी। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस को राष्ट्रगीत से ÷इतनी आपत्ति÷ क्यों है। जोशी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा से जुड़े हालिया संसदीय कानून का भी अनादर कर रही है और कांग्रेस नेतृत्व को खुश करने के लिए देश के सम्मान से समझौता कर रही है। इस बीच, सोमवार को कर्नाटक विधानसभा में भाजपा और जेडी(एस) के विधायकों ने राज्य सरकार के निर्देश की अवहेलना करते हुए वंदे मातरम का पूरा संस्करण गाया। स्पीकर जी.एस. पाटिल के आसन ग्रहण करने के बाद वंदे मातरम का गायन शुरू हुआ। पहले दो अंतरों के बाद आधिकारिक प्रस्तुति रोक दी गई, लेकिन भाजपा और जेडी(एस) के सदस्य बाकी अंतरे भी गाते रहे। विधायक संविधान की प्रस्तावना पढ़े जाने के दौरान भी वंदे मातरम का पूरा गायन जारी रखते रहे और अंत में ÷जय हिंद÷ के नारे लगाए। यह विवाद विधानसभा के मौजूदा सत्र में वंदे मातरम के आधिकारिक गायन को दो अंतरों तक सीमित करने के राज्य सरकार के फैसले के बाद शुरू हुआ है, जिसका भाजपा लगातार विरोध कर रही है।

एग्जीबिशन में पहुंचे रवि किशन, महिलाओं की क्रिएटिविटी की जमकर की तारीफ

गोरखपुर । भाजपा सांसद रवि किशन ने सोमवार को गोरखपुर में आयोजित ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल एग्जीबिशन में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम और वहां पर आए प्रतियोगी महिलाओं की भी जमकर सराहना की। रवि किशन ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि इस कार्यक्रम के लिए वह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का दिल से धन्यवाद देते हैं। देखिए यह हमारे सीएम का गृह जनपद है और वह चाहते थे कि यहां पर आत्म निर्भरता आए, वन डिस्ट्रिक वन प्रोडक्ट हो। सबसे अच्छी बात यह है कि यहां पर सारी नारी शक्तियां आई हुई हैं। सभी ने अपनी हाथ से बनाई गई की है। प्रधानमंत्री मोदी की बात को प्रदेश की हर महिला दिल से मानने लगी है और अब हर कोई अपनी क्रिएटिविटी लेकर आई हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷अब मैं मोदी को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उनके इस बदलते भारत में नारी नए रूप लेकर आ रही है। मुझे लगता है कि हमारी महिलाओं को इस तरह के फैशन से मिलान, न्यूयॉर्क जैसी सिटी में जाने की जरूरत नहीं है।÷ रवि किशन ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा, ÷गोरखपुर में इस तरह के फैशन एग्जीबिशन हो रहे हैं यहां पर इतने सारे स्टॉल हैं कि अब समझ में नहीं आ रहा है कि मुझे किसकी तारीफ करनी चाहिए। मैं पिछले 1-2 घंटे से लगातार बस घूम ही रहा हूं।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा के सत्र में जमकर हंगामा, भाजपा ने सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन

लोहिया क्रान्ति/एजेंसी

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर विधानसभा का ऑटम सेशन सोमवार को जबरदस्त हंगामे के साथ शुरू हुआ। पहले ही दिन सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। भारतीय जनता पार्टी के विधायकों ने विधानसभा के अंदर उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया और अधूरे वादों को लेकर नारेबाजी की। विपक्ष के विधायकों ने हाथों में प्लेकार्ड लेकर बिजली की बढ़ी हुई दरों को वापस लेने, एनएचएम कर्मचारियों को न्याय दिलाने और अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा। विधानसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ऑटम सेशन का पहला दिन था। जम्मू-कश्मीर के लोग बहुत ज्यादा अपेक्षाएं सरकार से रखे हुए हैं। खासकर वह लोग, जो बड़े सालों से इंतजार में हैं, इग्नोर्ड हैं, विक्टिम हैं, ऐसे सब लोगों को सीएम उमर अब्दुल्ला ने बहुत बड़े-बड़े वादे करके उनके मन और दिल में अपेक्षाएं जगाई थीं। हालांकि दो साल पूरा होने के बावजूद एक ही लफ्ज, एक ही शब्द इस सरकार और सरकार के मुखिया के मुंह से निकलता है कि हमारे पास अधिकार नहीं है, हम कुछ कर नहीं सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पिछले दो साल में मूलभूत सुविधाओं को पूरा नहीं कर पाई है, बिजली पूरा न देने के बजाय बिजली की दर बढ़ाई गई है। पानी जगह-जगह तक नहीं पहुंचा पाए हैं। भ्रष्टाचार का बोलबाला है। मंत्री और अधिकारी भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और लोगों में हाहाकार है। सुनील शर्मा ने कहा, ÷डेलीवेजर सड़कों पर हैं। एनएचएम कर्मचारी प्रदर्शन कर रहे हैं। आशा वर्कर और आंगनबाड़ी वर्कर गुहार लगा रहे हैं। लोग दर-दर भटक रहे हैं। हर वर्ग के साथ धोखा हुआ है और सबसे बड़ा धोखा मैं मानता हूं कि नौजवानों के साथ हुआ है। बेरोजगार नौजवान इस वक्त डिप्रेशन में हैं।÷ आउटसोर्सिंग पर सवाल उठाते हुए शर्मा ने आरोप लगाया, ÷बशर्ते नौकरियां देने के बजाय उमर अब्दुल्ला ने आउटसोर्सिंग के नाम पर एक कालाबाजारी यहां शुरू की है, जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के रिश्तेदार पैसे लेकर आउटसोर्स के नाम पर नौकरियां बांट रहे हैं। हमें आउटसोर्स का कोई गिला नहीं है लेकिन आउटसोर्स ऐसे नहीं होगा। आउटसोर्स आप सड़क पर चलते-चलते पैसे लेते-लेते लोगों को नौकरियों के ऑर्डर बांटेंगे, ऐसा नहीं होगा। ट्रांसपेरेंसी से आउटसोर्सिंग होनी चाहिए। आप कोई रिक्रूटमेंट का मैकेनिज्म बनाइए, कोई क्राइटेरिया फिक्स कीजिए, उसके बाद आप आउटसोर्सिंग के नाम पर जॉब्स दीजिए।÷ उन्होंने दावा किया, ÷जिन 25 हजार लोगों को इन्होंने जॉब्स दी हैं

रक्षा मंत्रालय ने टी-72 और टी-90 टैंकों के लिए 586 करोड़ रुपये की एपीयू खरीद का सौदा किया

नई दिल्ली । रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को सोवियत डिजाइन वाले टी-72 और टी-90 मुख्य युद्धक टैंकों के लिए ऑक्सिलियरी पावर यूनिट (एपीयू) की खरीद को लेकर 586 करोड़ रुपये का अनुबंध किया। मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार, यह अनुबंध स्वदेशी कंपनी एक्युरेट इंडस्ट्रियल कंट्रोल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ किया गया। नई दिल्ली में हुए इस समझौते पर रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, एपीयू टैंक के फायर कंट्रोल सिस्टम, फायरिंग सर्किट, गन स्टेबलाइजेशन सिस्टम और अन्य सहायक प्रणालियों के लिए बिजली उपलब्ध कराने का वैकल्पिक स्रोत है। स्वदेशी रूप से विकसित एपीयू के शामिल होने से भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फॉर्मेशन की परिचालन क्षमता, विश्वसनीयता और दीर्घकालिक संचालन क्षमता मजबूत होगी। मंत्रालय ने बताया कि टी-72 और टी-90 टैंक भारतीय सेना की मैकेनाइज्ड फोर्स की रीढ़ हैं। एपीयू की मदद से युद्ध के दौरान निगरानी मोड या प्रशिक्षण के समय मुख्य इंजन बंद रखते हुए भी टैंक के फायर कंट्रोल सिस्टम और अन्य जरूरी उपकरण संचालित किए जा सकेंगे। इससे मुख्य इंजन की उम्र बढ़ाने और ईंधन की बचत में भी मदद मिलेगी। बयान के

रूसी तेल खरीदारों पर प्रतिबंध लगाने वाले नए अमेरिकी कानून का अध्ययन कर रहा भारत- पीयूष गोयल

एजेंसी। नई दिल्ली

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि भारत पहले रूसी तेल खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी कानून के तहत लगाए जा सकने वाले टैरिफ के विवरण का अध्ययन करेगा। इसके बाद इस मामले पर ÷उचित समय पर÷ चर्चा की जाएगी। केंद्रीय मंत्री का यह बयान %लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट, 2026% के बारे में पूछे गए सवालों के जवाब में आया है, इसे हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कानून का रूप दिया है। नए कानून के तहत अमेरिकी प्रशासन उन देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगा सकता है, जो रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं। इस कदम से भारत और चीन जैसे बड़े खरीदारों के अमेरिका को होने वाले निर्यात पर अधिक शुल्क लग सकता है। पीयूष गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ÷इसके विवरण अब सामने आ रहे हैं। हम उनका अध्ययन करेंगे और उचित समय पर इस मामले पर चर्चा करेंगे।÷ 100 प्रतिशत टैरिफ कोई स्वचालित शुल्क नहीं है, बल्कि यह नए कानून के तहत अमेरिका द्वारा लगाया जा सकने वाला अधिकतम टैरिफ है।

इस बीच, भारत और अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत जारी रखे हुए हैं और दोनों पक्ष इस मुद्दे पर नियमित संपर्क में हैं। गोयल इस महीने के अंत में मिल्वौकी में होने वाली जी20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक

पागल सियार ने सोते समय पांच को काटा, ग्रामीणों ने दूसरे दिन मार डाला

महराजगंज (रायबरेली)। पूरे सधई मजरे अतरेहटा व छोटी गढ़ी में बुधवार रात पागल सियार ने जमकर आतंक मचाया। सियार ने घरों के दरवाजे व बरामदे में घुसकर सो रहे ग्रामीणों पर हमला कर दिया।

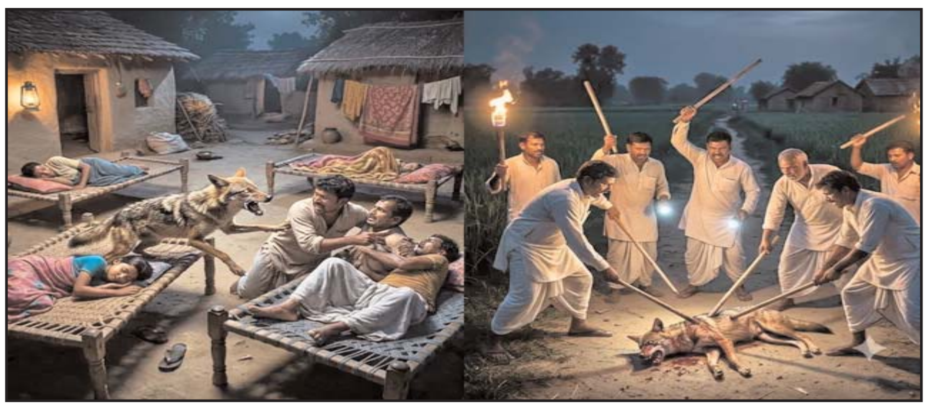

घटना में बच्ची समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी महराजगंज में एंटी रैबीज वैक्सीन लगाई गई। गुरुवार की रात फिर सियार दिखा तो पहले से तैयारी से रहे ग्रामीणों से लाठी डंडों से पीटकर उसे मार दिया। छोटी गढ़ी में बुधवार देर रात करीब 11 बजे घर के बाहर सो रही प्रांशी पर सियार ने हमला कर दिया। इसके बाद सधई मजरे अतरेहटा में सुमित, रामरती, बाबू लाल और छोटे को काटकर घायल कर दिया। सभी के हाथ-पैर व चेहरे पर जख्म हैं। एक घर से भगाया गया तो आगे जाकर दूसरे घर के लोगों को काटकर घायल कर दिया। पूरी रात ग्रामीण लाठी-डंडे लेकर पहरा देते रहे, लेकिन सियार न मिला। गुरुवार की रात ग्रामीण दरवाजे सोने से बचते रहे। इसी बीच देर रात ग्रामीणों को सियार गांव के किनारे दिख गया। ग्रामीणों ने घेराबंदी कर लाठी-डंडों से पीट-पीटकर उसे मार दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में सियारों की संख्या बढ़ गई है। वन विभाग की टीम भेजकर अभियान चलाया जाए, जिससे दोबारा ऐसी घटना न हो। सीएचसी के डॉ. गणनायक पांडेय ने बताया कि सभी पांच घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद एंटी रैबीज वैक्सीन लगा दी गई है। सभी की हालत स्थिर है। उन्होंने कहा कि जंगली जानवर के काटने पर तुरंत घाव को साबुन से धोकर टीका लगवाना चाहिए। झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ें। घायलों को 3, 7, 14 व 28वें दिन अगली डोज के लिए बुलाया गया है।

जनपदीय कबड्डी टीम में खिलाड़ियों का हुआ चयन

रायबरेली। माध्यमिक विद्यालयों की क्षेत्रीय कबड्डी प्रतियोगिता सोमवार को मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में हुई, जिसमें प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों का चयन कर अलग-अलग आयु वर्ग के लिए सदर जोन की टीमों का गठन किया गया। चयनित खिलाड़ी जनपदीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। क्षेत्रीय प्रतियोगिता में शहर के जीआईसी और एमजीआईसी के साथ अटौरा, बेला टेकई, पिंडारी कला, हरचंदपुर, सतांव, हाजीपुर समेत अन्य स्थानों के विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा दिखाई। अंडर-17 बालक में साहिल, सूर्यकांत, पीयूष, शिवम यादव, विपिन, अभय तिवारी, रणधीर, रचित, अंकित, रामू कुमार, अर्पित यादव व राजन चुने गए, जबकि धीरज, हिमांशु व हिमांशु रावत अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में चयनित किए गए। अंडर-19 बालक वर्ग में आदित्य सिंह, राजू, आनंद, रितिक यादव, नैतिक यादव, प्रिंस कुमार, हर्षित श्रीवास्तव, मयंक अवस्थी, रामजी, विपिन, दीपेश कुमार, सिद्धार्थ प्रजापति का चयन हुआ, जबकि विपिन कुमार, आर्यन त्रिपाठी, धैर्य सिंह अतिरिक्त खिलाड़ी होंगे। अंडर-17 बालिका में पूजा, सीता, अंशिका, लक्ष्मी, खुशनुमा, अंजली सिंह, शालू यादव, अंजली, शिवी यादव और अंडर-19 बालिका में सेजल, शिवानी, नेहा, नंदिनी, संध्या, वर्तिका, महिमा सिंह, रोली, अंशिका मौर्या, अनामिका पटेल, अनुराधा का चयन हुआ। अंडर-14 बालक में सूर्यांश सिंह, सूरज सिंह, अंश, अभय तिवारी, सत्यम, करन, साजन और अंडर-14 बालिका में रुद्राक्षी मिश्रा चयनित हुई। माध्यमिक क्रीड़ा सचिव अजय सिंह चंदेल ने बताया कि जनपदीय प्रतियोगिता 22 सितंबर को होगी।

सपा प्रमुख अखिलेश के आगमन को लेकर तैयारी तेज

रायबरेली। एबीवीपी और समाजवादी छात्रसभा के बीच बीते दिनों हुए टकराव ने जिले की सियासत को गर्म कर दिया है। सपा प्रमुख व पूर्व सीएम अखिलेश यादव इसी सिलसिले में 24 सितंबर को रायबरेली भ्रमण पर रहेंगे। पूर्व सीएम के कार्यक्रम की तैयारी में सपा की पूरी जिला कार्यकारिणी जुटी है। करीब 1200 सपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के अखिलेश यादव की सभा में शामिल होने की बात बताई जा रही है। इसके लिए प्रशासन को भी अवगत करा दिया गया है। करीब पांच घंटे तक सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव शहर में रहकर कार्यकर्ताओं के साथ अन्य लोगों से मुलाकात करेंगे।

न्यूज डायरी

नईगंज में अस्पताल की पार्किंग से बाइक चोरी, वीडियो वायरल

जौनपुर। नगर कोतवाली क्षेत्र के नईगंज में चोरों ने एक निजी अस्पताल की पार्किंग से बाइक चोरी कर ली। चोरी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना सोमवार सुबह करीब 4 बजे की बताई जा रही है। नईगंज स्थित सरस्वती हार्ट केयर सेंटर एंड ट्रामा मल्टीस्पेशलिस्ट अस्पताल के कर्मचारी विजय बहादुर मड़ियाहूं थाना क्षेत्र के चकथुआं गांव के निवासी हैं। उन्होंने बताया कि वह दो साल से अस्पताल में काम कर रहे हैं। रोज की तरह उन्होंने अपनी बाइक अस्पताल की पार्किंग में सीसीटीवी की निगरानी में खड़ी की थी। बाहर निकलने पर बाइक गायब मिली। सीसीटीवी फुटेज देखने पर पता चला कि दो चोर पार्किंग में आए थे। एक बाहर खड़ा होकर निगरानी कर रहा था, दूसरे ने बाइक चोरी की। दोनों बाइक लेकर फरार हो गए। फुटेज में एक चोर हाफ पैंट पहने और सिर पर गमछा बांधे दिख रहा है।
पीड़ित ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक से शिकायत कर कार्यवाही की मांग की है।

मंत्री के जनपद में ही बदहाल है मिनी स्टेडियम, घास-फूस में तब्दील हुआ खेल मैदान

संवाददाता

जौनपुर। मछलीशहर तहसील क्षेत्र के भटेवरा गांव स्थित मिनी स्टेडियम की हालत बदहाल है। मैदान में बड़ी-बड़ी घास उग आई है, जमीन तक दिखाई नहीं दे रही। खेलने की बात तो दूर, विषैले जीव-जंतुओं के डर से मैदान में घुसना भी मुश्किल है। यह स्थिति खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री गिरीश

चन्द्र यादव के गृह जनपद की है, जो दीपक तले अंधेरा कहावत को चरितार्थ कर रही है। स्टेडियम में पीआरडी के जवान बारी-बारी से ड्यूटी बजाकर चले जाते हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि यह ब्लॉक स्तरीय स्टेडियम है, किसी गांव का निजी मैदान नहीं। मछलीशहर विकास खण्ड के सैकड़ों सफाई कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर इसकी सफाई कराई जा सकती है। स्टेडियम की पश्चिमी तरफ की बाउंड्रीवॉल भी गिर चुकी है। भटेवरा, कठार, ऊंचडीह, बामी, चितांव आदि गांवों के युवा और बच्चे यहां खेलने आते हैं। स्टेडियम में खेल सामग्री और ओपन जिम की सुविधा भी है, लेकिन झाड़-झंखाड़ के कारण कोई आना नहीं चाहता। खिलाड़ियों ने प्रशासन से जल्द सफाई और मरम्मत की मांग की है।

लगातार 36 घंटे ड्यूटी, दो नाइट शिफ्ट के बाद कर्मियों ने मांगा विश्राम

सुल्तानपुर। ड्यूटी के बाद 36 घंटे में लोको पायलटों को मुख्यालय वापस भेजने और लगातार दो नाइट ड्यूटी के बाद एक रात का विश्राम देने सहित विभिन्न मांगों पर लोको पायलटों ने सोमवार को रेलवे स्टेशन पर धरना दिया। ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन के बैनर तले प्लेटफॉर्म नंबर एक पर हुए प्रदर्शन में विभाग की नई व्यवस्थाओं का विरोध किया गया।

शाखा सचिव एसी मौर्य ने कहा कि लोको पायलट को ड्यूटी पूरी करने के बाद 36 घंटे में उसके मुख्यालय वापस भेजने की व्यवस्था होनी चाहिए। लगातार दो नाइट ड्यूटी के बाद एक रात का विश्राम दिया जाए। उन्होंने प्रत्येक स्टेशन का मैप तैयार करने की व्यवस्था पर आपत्ति जताई। कहा कि सभी स्टेशनों के बजाय केवल जंक्शन और यार्ड का मैप बनाया जाए। लोको पायलटों ने मेमो ट्रेन में लागू सिंगल मैन वर्किंग व्यवस्था को भी परेशानी का कारण बताते हुए इसे तत्काल बंद करने की मांग की। संगठन ने बताया कि मांगों को लेकर लखनऊ रेल मंडल के सभी स्टेशनों पर प्रदर्शन किया जा रहा है। जल्द समाधान नहीं होने पर डीआरएम कार्यालय के सामने प्रदर्शन की चेतावनी दी गई।

विज्ञापन

शंकर मंडी चौकी क्षेत्र में दबंगों का उत्पात, कारखाने में घुसकर युवक को पीटा

संवाददाता

जौनपुर। कोतवाली थाना क्षेत्र के शंकर मंडी चौकी अंतर्गत कयामपट्टी हरखपुर मोहल्ले में दबंगों ने इलेक्ट्रॉनिक कारखाने में घुसकर तोड़फोड़ की और एक युवक को पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।
मोहल्ला निवासी धर्मेंद्र कुमार मौर्य का 21 वर्षीय पुत्र अनुराग उर्फ रौनक रविवार को अपने कारखाने में मौजूद था। आरोप है कि गांव के ही कुछ दबंग दर्जनों की संख्या में लाठी-डंडों से लैस होकर कारखाने में घुस गए और अनुराग को बुरी तरह पीटने लगे। हमलावर तब तक पीटते रहे जब तक वह अधमरा होकर गिर नहीं पड़ा। इसके बाद सभी मौके से फरार हो गए। परिजन मौके पर पहुंचे और घायल युवक को उठाकर कोतवाली ले गए। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल भेजा, जहां गंभीर चोटों के कारण उसे भर्ती कर लिया गया

श्रीमद्भागवत कथा में भक्तिमय हुआ बदौवां गांव का माहौल

मड़ियाहूं जौनपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत बदौवां में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन सोमवार को कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। कथा वाचक पंडित श्री राधेश्याम महाराज पराशर ने श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, सत्य, भक्ति और संस्कार का संदेश दिया।

कथा के दौरान दुर्योधन वध, परीक्षित जन्म तथा कलियुग के आगमन से जुड़े प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया गया।

कथा वाचक ने कहा कि मनुष्य को जीवन में सदाचार और सत्य के मार्ग पर चलते हुए ईश्वर के प्रति आस्था बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने धार्मिक कथाओं को जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बताते हुए परिवार और समाज में प्रेम, सद्भाव तथा संस्कारों को मजबूत करने का आह्वान किया।

कथा के दौरान भक्ति गीतों और धार्मिक जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। मड़ियाहूं क्षेत्र के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे। आध्यात्मिक प्रसंगों और भजनों के दौरान श्रद्धालु भावविभोर नजर आए।

आयोजन में सभाराज मिश्र और उर्मिला मिश्रा ने मुख्य यजमान की भूमिका निभाई। श्रद्धालुओं ने शांतिपूर्वक कथा का श्रवण किया।

आयोजकों ने आगामी कथा कार्यक्रमों में भी अधिक से अधिक लोगों से शामिल होने की अपील की।

शाहगंज से हटेगा श्रमिकों का जमावड़ा, दरियापुर में मिलेगा काम

सुल्तानपुर। काम की तलाश में शाहगंज चौराहे पर भटकने वाले श्रमिकों को अब राहत मिलेगी। प्रशासन ने दरियापुर ओवरब्रिज के नीचे बनाए गए लेबर अड्डे को फिर से सक्रिय किया है। यहां श्रमिकों को रोजगार से जोड़ने, पंजीकरण कराने और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की व्यवस्था शुरू हुई है। सोमवार को जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने लेबर अड्डे का निरीक्षण किया। उन्होंने श्रमिकों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं और कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। जिलाधिकारी ने श्रमिकों को पंजीकरण कराने तथा उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया। कुछ माह पहले यह लेबर अड्डा रोजगार, स्वास्थ्य और सुरक्षा के उद्देश्य से बनाया गया था। हालांकि, श्रमिक पहले शाहगंज चौराहे पर ही काम की तलाश में जुटते रहे। अब प्रशासन ने अड्डे को सक्रिय कर श्रमिकों को वहीं रोजगार उपलब्ध कराने की कवायद तेज की है। लेबर अड्डे पर श्रमिकों के पंजीकरण के साथ रोजगार संबंधी जानकारी भी दी जाएगी। निर्माण श्रमिकों के पंजीकरण और नवीनीकरण के अलावा ई-श्रम कार्ड बनाने की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। इससे श्रमिकों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का रास्ता आसान होगा। निरीक्षण के समय ईओ लालचंद्र सरोज, जिला सूचना अधिकारी डॉ. धीरेंद्र कुमार यादव समेत श्रम और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मौजूद मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भारत भूषण ने बताया कि सोमवार को स्वास्थ्य शिविर में 163 श्रमिकों की जांच की गई। आगामी शिविरों में एक्सरे मशीन, मोबाइल एंबुलेंस और मोबाइल मेडिकल यूनिट की सुविधा मिलेगी। 46 श्रमिकों ने कराया पंजीकरण सहायक श्रमायुक्त मधुबन राम ने जानकारी दी कि सोमवार को डिजिटल लेबर चौक मोबाइल एप पर 46 श्रमिकों का पंजीकरण हुआ। पांच श्रमिकों के ई-श्रम कार्ड बनाए गए। नौ निर्माण श्रमिकों का नया पंजीकरण और चार का नवीनीकरण भी किया गया। श्रमिकों की सुविधा के लिए एक सप्ताह तक सुबह 8 से दोपहर 12 बजे तक पंजीयन शिविर लगाया जाएगा।

पांच घंटे गुल रही शहर की बिजली, गर्मी में शहरवासी बेहाल

सुल्तानपुर। त्योहार से पहले बिजली व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए सोमवार को शहर के टाउन-प्रथम फीडर की पांच घंटे बिजली बंद रही तो गर्मी में लोग बेहाल हो उठे। सुबह दस से दोपहर दो बजे तक दरियापुर उपकेंद्र से जुड़े खैराबाद, राईननगर, आजादनगर, पंचरास्ता, कृष्णानगर, ठठेरी बाजार और मेजरगंज समेत कई इलाकों की आपूर्ति ठप रही। इसके बाद आपूर्ति शुरू हुई तो अचानक फिर बंद कर दी गई। एक घंटे बाद दोपहर तीन बजे सही तरीके से सप्लाई शुरू हो सकी। इससे करीब 45 हजार की आबादी प्रभावित हुई। दुर्गापूजा में निर्बाध आपूर्ति के लिए टाउन-प्रथम फीडर पर पेड़ों की छंटाई के साथ पुराने और क्षतिग्रस्त तार बदले गए। बिजली बंद रहने से घरों में पंखे-कूलर नहीं चल सके और उमस भरी गर्मी में लोग परेशान रहे। दुकानदारों के कामकाज पर भी असर पड़ा। अधिशासी अभियंता अश्वनी कुमार वर्मा ने बताया कि दुर्गापूजा के दौरान आपूर्ति सुचारु रखने के लिए अनुरक्षण कार्य कराया गया है। पेड़ों की छंटाई और क्षतिग्रस्त तार बदलने का काम पूरा कर आपूर्ति बहाल कर दी गई। दूबेपुर। टीपीनगर उपकेंद्र के कांशीराम फीडर की बिजली दोपहर 12 से तीन बजे तक बंद रही। हिंछा का पुरवा गांव में हाईटेंशन लाइन के आसपास पेड़ों की डालियों की कटाई-छंटाई की गई। अवर अभियंता प्रवीण त्रिपाठी ने बताया कि काम के दौरान आंशिक रूप से फीडर बंद किया गया था। कार्य पूरा होने के बाद आपूर्ति सामान्य कर दी गई। मोतिगरपुर। मलिकपुर बखरा गांव में शनिवार रात ट्रांसफार्मर जलने से करीब 25 परिवारों के साथ गो-आश्रय स्थल की बिजली गुल है। शिकायत के बावजूद आपूर्ति बहाल न होने से ग्रामीण परेशान हैं। बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कामकाज और मोबाइल चार्जिंग तक प्रभावित है। गोआश्रय स्थल में बिजली न होने से रात में गोवंश की निगरानी में भी दिक्कत हो रही है। गोपालकों ने जहरीले जीवों के खतरे की चिंता जताई है। जेई मो. अरशद ने बताया कि जला ट्रांसफार्मर वर्कशॉप भेजा गया है।

विद्यार्थियों की समस्याओं के समाधान को बनी शिकायत निवारण समिति

संवाददाता

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों की समस्याओं को लंबित रखने के बजाय उनके त्वरित समाधान के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने संस्थागत व्यवस्था शुरू की है। विद्यार्थियों की शिकायतों, सुझावों और समस्याओं की सुनवाई के लिए छात्र शिकायत निवारण समिति का गठन किया गया है। इसके साथ ही कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद के लिए प्रतिदिन एक घंटे का समय निर्धारित किया है। इससे छात्रों को अपनी समस्याएं सीधे विश्वविद्यालय के शीर्ष प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर मिलेगा।

कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय की व्यवस्था में विद्यार्थियों की भागीदारी और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से शिकायत निवारण समिति को जिम्मेदारी दी गई है। समिति छात्रों से प्राप्त शिकायतों की जांच कर संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित करते हुए उनके निस्तारण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाएगी। इससे शिकायतों के समाधान में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन ने डीएसडब्ल्यू प्रो. प्रमोद कुमार यादव को समिति का अध्यक्ष व समन्वयक बनाया है। प्रबंधन अध्ययन संकाय के प्रो. अविनाश डी. पाथर्डीकर, विज्ञान संकाय के प्रो. राजेश शर्मा, इंजीनियरिंग संकाय के प्रो. रजनीश भास्कर तथा अनुप्रयुक्त मनोविज्ञान विभाग की डॉक्टर अन्नू त्यागी को सदस्य नियुक्त किया गया है। एलएलएम छात्र सत्र 2026-27 के अभिनव कीर्ति पाण्डेय को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने पूर्व में कुलपति से मुलाकात कर अपनी विभिन्न समस्याओं और सुझावों से अवगत कराया था। कुलपति ने उनकी बातों को सुनते हुए समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया था। अब समिति के गठन और नियमित संवाद की व्यवस्था को उसी दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखा जा रहा है। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि विद्यार्थियों की समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता देते हुए आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

हर कार्यदिवस छात्रों से रूबरू होंगे कुलपति

जौनपुर। विद्यार्थियों की समस्याओं को सीधे सुनने के लिए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने प्रतिदिन एक घंटे का समय निर्धारित किया है। मंगलवार और शनिवार को यह व्यवस्था लागू नहीं होगी। अन्य कार्यदिवसों में सुबह 9 से 10 बजे तक छात्र-छात्राएं कुलपति से प्रत्यक्ष संवाद कर सकेंगे। इस दौरान विद्यार्थी शैक्षणिक एवं प्रशासनिक समस्याओं के साथ परीक्षा, छात्रावास, पुस्तकालय, खेलकूद, छात्र कल्याण समेत विश्वविद्यालय से जुड़े अन्य विषयों को कुलपति के समक्ष रख सकेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार इस व्यवस्था का उद्देश्य विद्यार्थियों से नियमित संवाद बनाए रखना और उनकी समस्याओं को समझकर आवश्यक कार्रवाई को गति देना है। इससे छात्रों को अपनी बात रखने के लिए सीधे संवाद का अवसर मिलेगा।

लंबी कतार, मरीज बेहाल.....इलाज की राह में मुश्किलें बरकरार

सुल्तानपुर। बीमारी से राहत की उम्मीद लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे मरीजों को सोमवार को इलाज से पहले ही अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। पुरुष अस्पताल की ओपीडी खुलने के बाद 2455 मरीजों का पंजीकरण हुआ।

पंजीकरण काउंटर से लेकर डॉक्टर को दिखाने और दवा लेने तक मरीजों को अलग-अलग कतारों में खड़ा रहना पड़ा। तीन घंटे से अधिक समय बाद मरीज अस्पताल से निकल सके। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में भीड़ का आलम यह रहा कि तीनों तल की गैलरी मरीजों और तीमारदारों से भरी रहीं। बैठने की जगह नहीं मिलने पर कई मरीज फर्श और सीढ़ियों पर बैठकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। बुजुर्गों और महिलाओं को भी काफी देर तक खड़े रहना पड़ा। जगह की तलाश में मरीज और तीमारदार इधर-उधर भटकते रहे। कई बार उन्हें सुरक्षा कर्मियों की रोक-टोक का भी सामना करना पड़ा। भीड़ के बावजूद बैठने के लिए अतिरिक्त व्यवस्था नहीं की गई। अल्ट्रासाउंड बंद, बाहर खर्च करने पड़े 700-800 रुपये

सोमवार को रेडियोलॉजिस्ट के छुट्टी पर रहने के कारण मेडिकल कॉलेज में अल्ट्रासाउंड सेवा बंद रही। लंभुआ के राम आसरे को पथरी की आशंका में अल्ट्रासाउंड कराने की सलाह दी गई थी। केंद्र बंद मिलने पर उन्हें बाहर 700 रुपये खर्च कर जांच करानी पड़ी। वहीं, दूबेपुर के महेश को लगातार उल्टी होने पर लिवर में सूजन की आशंका में अल्ट्रासाउंड लिख दिया गया। केंद्र बंद होने की सूचना देखकर उन्होंने बाहर 800 रुपये खर्च किए।
बुखार का इलाज कराने आए, कतार ने बढ़ाया दर्द

युवा केवल देश का भविष्य नहीं बल्कि भारत की वर्तमान ताकत : नितिन नवीन

संवाददाता

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को युवाओं को नशे और शॉर्टकट से दूर रहने की नसीहत देते हुए कहा कि युवा रील नहीं, रियल को जिएं और राष्ट्र प्रथम की भावना को अपने जीवन में सबसे आगे रखें। सुभारती विश्वविद्यालय के मांगल्य ऑडिटोरियम में युवा सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि युवा केवल देश का भविष्य नहीं, बल्कि भारत की वर्तमान ताकत हैं। दुनिया में बड़े बदलाव हमेशा युवाओं के कंधों पर सवार होकर हुए हैं। नितिन नवीन ने कहा कि आज भारत के पास करोड़ों युवाओं की शक्ति है और यही शक्ति देश की वैश्विक पहचान को नई ऊंचाई दे रही है। अंतरिक्ष से स्टार्टअप और खेल से तकनीक तक भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचार का उल्लेख करते हुए कहा कि 100 ऊर्जावान और निष्ठावान युवा देश का भाग्य बदल सकते हैं। उन्होंने युवाओं को नशे और शॉर्टकट के बढ़ते प्रभाव से सावधान करते हुए कहा कि आज के समय में ये दोनों चीजें युवाओं को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रही हैं। युवाओं को इनसे बचना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी नशे के खिलाफ कई अभियान चलाए हैं। युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगाते हुए मेहनत और निरंतरता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। भाजपा अध्यक्ष ने युवाओं से कहा कि सरकार अवसर और मंच तैयार कर सकती है, लेकिन उस मंच पर प्रदर्शन युवाओं को ही करना होगा। उन्होंने कहा कि युवा जिस भी क्षेत्र में हैं, उसमें खुद को बेहतर बनाएं। देश के विकास में योगदान देने के लिए राजनीति में आना ही जरूरी नहीं है। इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, उद्यमी और दूसरे क्षेत्रों में काम करने वाले युवा भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। नितिन नवीन ने युवाओं से सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में उलझने के बजाय वास्तविक जीवन में अपनी क्षमता साबित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं को अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए अनुशासन और निरंतरता के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उनका कहना था कि जब युवा सोचता है तो देश आगे बढ़ता है और जब युवा संकल्प लेता है तो नए युग का निर्माण होता है। उन्होंने मेरठ के खेल उद्योग को युवाओं की प्रतिभा और मेहनत का उदाहरण बताया। कहा कि खेल नगरी मेरठ का हुनर क्रिकेट बैट, हॉकी स्टिक, बैडमिंटन रैकेट और बॉक्सिंग ग्लव्स के रूप में दुनिया तक पहुंच रहा है। भारत से निर्यात होने वाली खेल सामग्री में मेरठ की हिस्सेदारी करीब 25 प्रतिशत है। नितिन नवीन ने मेरठ में निर्माणाधीन मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय का भी उल्लेख किया। करीब 250 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहे प्रदेश के पहले इस खेल विश्वविद्यालय ने अपना पहला सत्र शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा को निखारने और उसे बेहतर मंच देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे, नमो भारत और मेरठ मेट्रो जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि बेहतर कनेक्टिविटी से विकास और रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश देश की बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस यात्रा में प्रदेश के युवा महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। युवा सम्मेलन के दौरान छात्रों ने नितिन नवीन से तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विकसित भारत में युवाओं की भूमिका से जुड़े सवाल पूछे। डॉक्टर ऑफ फार्मेसी के तीसरे वर्ष के छात्र चैतन्य छपारिया ने एआई तकनीक और नवाचार को लेकर सवाल किया। उन्होंने बताया कि आज भारत और दुनिया एआई पर तेजी से निर्भर हो रही है। चैतन्य के अनुसार, नितिन नवीन ने जवाब में कहा कि भारत इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, देश में डेटा सेंटर तैयार किए जा रहे हैं और एआई पर फोकस बढ़ाया जा रहा है। प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग जैसे नए पाठ्यक्रम भी शुरू हुए हैं। छात्र हिमांशु राज ने 2047 के विकसित भारत में युवाओं की भूमिका को लेकर सवाल किया।

उन्होंने बताया कि नितिन नवीन ने कहा कि युवा जिस भी क्षेत्र में हैं, उसमें खुद को बेहतर बनाकर देश के विकास में योगदान दे सकते हैं। देश की प्रगति के लिए केवल राजनीति में आना ही जरूरी नहीं है। हर क्षेत्र में बेहतर काम करने वाला युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकता है। नितिन नवीन ने युवाओं से राष्ट्र प्रथम, अनुशासन एवं निरंतरता और सामाजिक समरसता के तीन संकल्पों को जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पढ़ाई, नौकरी, व्यापार या समाजसेवा–हर काम में यह विचार होना चाहिए कि

मायावती का अखिलेश पर निशाना, बोलीं–पीडीए रथ का भगवाकरण या मुसलमानों से भरोसा उठना?

लखनऊ । बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। मायावती ने सपा के प्रचारित %पीडीए रथ% के रंग को लेकर सवाल उठाते हुए इसे सपा के लाल रंग की अपेक्षा भाजपा-आरएसएस के भगवा रंग से अधिक प्रभावित बताया। उन्होंने सवाल किया कि यह वोटों के स्वार्थ में लगातार रंग बदलने की राजनीति है या फिर सपा प्रमुख का मुसलमानों से वोट पाने का भरोसा अब कम हो गया है। मायावती ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ÷यूपी के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी हेतु समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख का प्रचारित %पीडीए रथ% सपा के अपने लाल रंग का कम और आरएसएस/भाजपा के %भगवा% रंग का (भगवाकरण) ज्यादा है, तो ऐसे में लोगों में चर्चा यही है कि यह सब उनका वोटों के स्वार्थ की खातिर गिरगिट की तरह लगातार रंग बदलना है या फिर मुसलमानों पर से सपा प्रमुख का वोट पाने का भरोसा उठ जाना है।÷

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के खासकर मुस्लिम समाज को इस बात का अहसास है कि पिछले चुनावों में सपा को बड़ी संख्या में समर्थन देने के बावजूद भाजपा को सत्ता में आने से रोकने में सपा सफल नहीं हो पाई। मायावती ने इसी आधार पर दावा किया कि अब मुस्लिम समाज के एक वर्ग में सपा को बार-बार वोट देने को लेकर सवाल उठ रहे हैं और उनका रुख बसपा की ओर बदल रहा है। मायावती ने लिखा, ÷वैसे भी यूपी के खासकर मुस्लिम समाज को इस कड़वी हकीकत का पूरी तरह से अहसास है कि पिछले चुनावों में सपा को उनके द्वारा अधिकांश एकतरफा वोट देने के बावजूद भी यह पार्टी (सपा) यूपी व केन्द्र की सत्ता में भाजपा को सरकार बनाने से नहीं रोक पाती है तो इस पार्टी को बार-बार वोट देकर अपना वोट खराब क्यों किया जाये और इस मामले में अब वे अपरकास्ट में से खासकर ब्राह्मण समाज की तरह ही अपना रवैया काफी तेजी से बीएसपी के पक्ष में बदल रहे हैं।÷ बसपा प्रमुख ने अपनी पार्टी के शासन के रिकॉर्ड का उल्लेख करते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था के साथ-साथ जनहित, जनकल्याण और विकास के क्षेत्र में काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को सर्वसमाज के हित और कल्याण के लिए ऐसे शासन की जरूरत है। उन्होंने कहा, ÷बीएसपी यूपी में खासकर अपराध नियंत्रण व शान्ति-व्यवस्था के मामलों में कानून द्वारा कानून के राज के साथ ही व्यापक जनहित, जनकल्याण एवं विकास के मामलों में भी बेहतरीन शासन यहां कई बार स्थापित करके दिखा चुकी है और जिसकी सर्वसमाज के हित व कल्याण में प्रदेश को सख्त जरूरत भी है।÷ मायावती ने %पीडीए% के राजनीतिक इस्तेमाल को लेकर भी अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा को जनता को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसके %पीडीए% की वास्तविकता क्या है। मायावती ने आरोप लगाया कि चुनावी स्वार्थ के मुताबिक सपा ने अलग-अलग समय में 'पीडीए' की अलग-अलग व्याख्या की है। उन्होंने कहा, ÷इसके साथ ही, सपा को यह भी जनता को जरूर बता देना चाहिए कि अब इनके %पीडीए% की असली वास्तविकता क्या है क्योंकि चुनावी स्वार्थ में अब तक इन्होंने कभी %पीडी% को %पिछड़ा, दलित% बताया तो कभी %पीडी% को %पण्डित% बताया है और कभी अपने आपको %अम्बेडकरवादी% दर्शाने के चक्कर में बी.एस.पी. का %नीला% रंग वाला वस्त्र धारण कर तस्वीरें खिंचवाई है लेकिन इनको लोगों ने फौरन ही फेक अम्बेडकरवादी कहकर रिजेक्ट भी कर बसपा प्रमुख ने इसके मुकाबले अपनी पार्टी को 'सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय' की नीति पर चलने वाली अम्बेडकरवादी पार्टी बताया। उन्होंने कहा कि बसपा समाज के सभी वर्गों के लिए रोटी, रोजगार, आत्मसम्मान और स्वाभिमान के साथ जीवन जीने की पक्षधर है। इसके विपरीत, बीएसपी सर्वसमाज के लिए %सर्वजन हिताय व सर्वजन सुखाय% की नीति व सिद्धान्त वाली अम्बेडकरवादी पार्टी है तथा सभी को रोटी-रोजगार-युक्त आत्म-सम्मान व स्वाभिमान का जीवन जीने की पक्षधर है। इसीलिये सर्वसमाज में बीएसपी का अपना सम्मान है।÷

आजम, अतीक, मुख्तार. यही चलाते थे सरकार

लखनऊ 21 सितम्बर। उत्तर प्रदेश की राजनीति एक बार फिर पूरी तरह से गरमा गई है। जैसे-जैसे सूबे में विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राजनीतिक दलों के बीच जुबानी जंग और हमलों का दौर भी बेहद तेज होता जा रहा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के अलग-अलग शहरों में समाजवादी पार्टी के खिलाफ अचानक रहस्यमयी पोस्टर लग गए, जिसने पूरे राज्य की राजनीति में तहलका मचा दिया है। इन पोस्टरों में सीधे तौर पर अखिलेश यादव के पुराने कार्यकाल और उस दौरान के हालातों को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए गए हैं। लखनऊ समेत उन्नाव, इटावा, सीतापुर, बरेली, मेरठ, आजमगढ़ और गाजीपुर जैसे तमाम बड़े जिलों में समाजवादी पार्टी के खिलाफ ये पोस्टर चर्चा का विषय बने हैं। इन पोस्टरों पर माफियाओं की तस्वीरें छापी गई हैं। पोस्टर पर बड़े-बड़े अक्षरों में लिखा गया है 'आजम, अतीक और मुख्तार, यही चलाते थे सरकार।' इन पोस्टरों के जरिए यह दिखाने की कोशिश की गई है कि उस दौर में सरकार और अपराधियों के बीच किस तरह के ताल्लुक हुआ करते थे। लखनऊ में ही अकेले दर्जन भर से ज्यादा जगहों पर ये पोस्टर चस्पा हैं। इन पोस्टरों में सपा शासनकाल के कथित माफियाओं और अपराधियों की पूरी सूची ही जारी कर दी गई है। अवध से लेकर पूर्वांचल और पश्चिमी यूपी तक के कई कुख्यात और चर्चित नामों को इन पोस्टरों में प्रमुखता से जगह दी गई है। पोस्टरों पर 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' एक जिला, एक माफिया का नारा लिखकर क्षेत्रवार माफियाओं के नाम उजागर किए गए हैं। इनमें अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, आजम खान, याकूब कुरैशी और अनिल दुजाना जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। पोस्टर में यह तक आरोप लगाया गया है कि माफिया लैंड क्रूजर गाड़ियों में बैठकर अपहरण जैसी वारदातों को अंजाम दिया करते थे। अवध क्षेत्र में अतीक अहमद, आजम खान, मुख्तार अंसारी के अलावा गुलशन यादव, मित्रसेन यादव और रिजवान जहीर के नाम लिखे गए हैं। पोस्टर में आरोप लगाया गया है कि सपा राज में आजम खान के यहां भैंस चोरी का मामला चर्चा में रहा, जबकि अखिलेश के करीबी नवाब सिंह पर रेप का आरोप लगा था। दीपनारायण यादव और आगजनी मामले में दोषी इरफान सोलंकी का भी जिक्र है।पश्चिमी यूपी और अन्य क्षेत्र में कैराना से पलायन के मामले में मुकीम काला गिरोह का हाथ होने की बात कही गई है। संजीव जीवा द्वारा 1997 में पूर्व कैबिनेट मंत्री ब्रह्मदत्त द्विवेदी की हत्या का मामला उठाया गया है।पूर्वांचल और बुंदेलखंड में आजमगढ़ जहरीली शराब कांड में रमाकांत यादव का नाम उछाला गया है। रुहेलखंड, बृज क्षेत्र, बुंदेलखंड और पूर्वांचल के तमाम इलाकों के हिसाब से वीरपाल सिंह यादव, उमाकांत यादव, मुन्ना बजरंगी, डीपी यादव और चंद्रपाल सिंह यादव जैसे कई पुराने और विवादित नाम इन पोस्टरों के जरिए जनता के सामने लाए गए हैं।

अखिलेश के माफिया वाले पोस्टर को लेकर सियासत तेज, सपा ने कहा–भाजपा की ध्यान भटकाने की कोशिश

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के खिलाफ लगे एक पोस्टर से फिर विवाद खड़ा हो गया है। गोमती नगर इलाके में अतीक अहमद, आजम खान और मुख्तार अंसारी की तस्वीरों वाला एक पोस्टर लगाया गया है। पोस्टर पर लिखा है, ÷अखिलेश के माफिया, माफिया के अखिलेश÷ और इसमें जौहर यूनिवर्सिटी में जमीन पर कब्जे के मामले का जिक्र है, जिसमें माफिया के साथी शामिल थे। इस पोस्टर के सामने आने के बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। समाजवादी पार्टी ने इसे भाजपा की ध्यान भटकाने की राजनीति बताया है, वहीं भाजपा ने पोस्टर पर लिखी बातों का समर्थन करते हुए सपा के कार्यकाल को माफिया राज करार दिया है। लखनऊ में सपा नेताओं को निशाना बनाकर लगाए गए पोस्टर पर समाजवादी पार्टी के विधायक मनोज पारस ने पलटवार किया। उन्होंने कहा, ÷भारतीय जनता पार्टी पहली बार ऐसे पोस्टर नहीं लगा रही है। लोगों को हिंदू और मुसलमान में बांटने के बाद, वे और बंटवारा करना चाहते हैं और ये पोस्टर उसी का हिस्सा हैं। हालांकि, जनता इससे तंग आ चुकी है। लोगों को समझ आ गया है कि इन मुद्दों का इस्तेमाल सिर्फ उनका ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है।÷ वहीं, इस पोस्टर विवाद पर कांग्रेस ने भी भाजपा पर निशाना साधा। जम्मू-कश्मीर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा राहुल गांधी और अखिलेश यादव को आतंकवाद से जोड़ रही है। उन्होंने कहा, ÷अगर उनका पोस्टर देखें, तो वे राहुल गांधी और अखिलेश यादव को पहलगाम के उग्रवादियों से जोड़ रहे हैं। इससे पहले उनको अपना इतिहास याद करना चाहिए। क्या ये वही लोग नहीं हैं जिनके समय में एनडीए सरकार यानी भाजपा ने कंधार में घुटने टेक दिए थे? क्या ये वही लोग नहीं हैं जिन्होंने आजादी से पहले %दो-राष्ट्र सिद्धांत% को बढ़ावा दिया था? और क्या ये वही लोग नहीं हैं जिन्होंने मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सरकारें भी बनाई थीं।÷
उधर, उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री दानिश आजाद ने कहा, ÷सपा के 2012 से 2017 तक के कार्यकाल को देखा जाए तो उस समय उन्होंने यही काम किया। अपने कार्यकाल में सपा ने प्रदेश के विकास के लिए काम करने के बजाय अपराधियों को बढ़ावा देने का काम किया। सुरक्षा व्यवस्था बदहाल थी। महिला अपराध के मामले भी बढ़ गए थे। उत्तर प्रदेश के थानों को सपा ने अपराधियों के हाथों में सौंप दिया था। जितना बुरा हो सकता था, सपा ने उतना बुरा

छह देशों की भागीदारी से मजबूत होगा अंतरराष्ट्रीय कारोबारी कनेक्ट

लखनऊ/ग्रेटर नोएडा 21 सितंबर।यूपी केवल देश के बड़े बाजार के रूप में ही नहीं बल्कि वैश्विक व्यापार, निवेश और विनिर्माण के प्रमुख केंद्र के रूप में पहचान मजबूत कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा निवेश आकर्षित करने, निर्यात को बढ़ावा देने और प्रदेश के उद्यमियों को वैश्विक बाजार से जोड़ने के लिए प्रयासों की झलक उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो यूपीआईटीएस-2026 में भी देखने को मिलेगी। 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में होने वाले यूपीआईटीएस-2026 में वियतनाम, जापान, सिंगापुर, रूस, ऑस्ट्रिया और बेलारूस को पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है। छह देशों की भागीदारी वाला यह आयोजन यूपी के लिए 'लोकल से ग्लोबल' की अवधारणा को मजबूत करने का अवसर बनेगा। पार्टनर देशों के प्रतिनिधि अपने उत्पाद व तकनीक प्रदर्शित करने के साथ ही प्रदेश के उद्यमियों, निवेशकों और कारोबारियों से सीधे संवाद करेंगे। इससे व्यापारिक साझेदारी, तकनीकी सहयोग और नए कारोबारी अवसरों के लिए संभावनाएं बनेंगी। यूपीआईटीएस-2026 के पार्टनर कंट्री प्लान के अनुसार, वियतनाम के लिए 54 वर्गमीटर, जापान के लिए 54 वर्गमीटर, सिंगापुर और रूस के लिए 36-36 वर्गमीटर तथा ऑस्ट्रिया के लिए 54 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र निर्धारित किया गया है। इन पांच देशों के लिए प्रस्तावित सूची में कुल 36 प्रदर्शक और 100 खरीदार शामिल हैं। बेलारूस को भी पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है और उसके लिए मुख्यमंत्री के साथ संवाद तथा बी2बी गतिविधियां प्रस्तावित हैं। इस भागीदारी का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि यहां गतिविधियां केवल उत्पाद प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेंगी। बी2बी बैठकें, कंट्री सेशंस, राउंडटेबल और उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ संवाद के जरिए कारोबारी संबंधों को आगे बढ़ाने की रूपरेखा तैयार की गई है।यूपीआईटीएस-2026 के पार्टनर कंट्री कार्यक्रम में विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ संवाद के विशेष सत्र प्रस्तावित हैं। 25 सितंबर को अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों के लिए संवाद सत्र आयोजित किए जाने हैं। वियतनाम, जापान, सिंगापुर, रूस, ऑस्ट्रिया और बेलारूस से आने वाले प्रतिनिधिमंडलों में राजदूत, हाई कमिश्नर, ट्रेड कमिश्नर, आर्थिक एवं वाणिज्यिक प्रतिनिधि तथा उद्योग जगत के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हैं। इनमें भारत में जापान के राजदूत एच.ई. केइची ओनो, भारत में सिंगापुर के हाई कमिश्नर एच.ई. साइमन वोंग, रूस के ट्रेड कमिश्नर आंद्रे सोबोलेव और ऑस्ट्रिया के ट्रेड कमिश्नर एवं कमर्शियल काउंसलर हांस-जोर्ग होर्टनाग्ल समेत अन्य प्रतिनिधियों का उल्लेख किया गया है। वियतनाम की भागीदारी में एविएशन, पर्यटन, कृषि, फार्मास्युटिकल एवं कॉस्मेटिक उत्पाद, खाद्य, टेक्सटाइल, गारमेंट, हस्तशिल्प और इलेक्ट्रिक वाहन जैसे विविध क्षेत्र शामिल हैं। इसमें वियतनाम एयरलाइंस, पर्यटन क्षेत्र की कंपनियों, फार्मा एवं हेल्थ से जुड़े उद्यमों तथा अन्य कंपनियों की भागीदारी प्रस्तावित है। इससे उत्तर प्रदेश के उद्यमियों को एविएशन, पर्यटन, फार्मा, कृषि आधारित उद्योग, टेक्सटाइल और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय कारोबार के संभावित साझेदारों के साथ संवाद का अवसर मिलेगा।जापान के पवेलियन में तकनीक और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े उत्पादों की व्यापक प्रस्तुति प्रस्तावित है।

इंटरनेशनल ट्रेड शो में यूपी के एग्री कल्चर के होंगे दर्शन

25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में होगा यूपीआईटीएस

लखनऊ 21 सितंबर।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा में इंटरनेशनल ट्रेड शो का चतुर्थ संस्करण होगा। इसकी तैयारी पूरी की जा चुकी है। इसमें एक तरफ देश- विदेश से आए प्रतिनिधि जहां यूपी की समृद्ध विरासत का दीदार करेंगे तो वहीं एग्री %कल्चर% के भी दर्शन करेंगे। ट्रेड शो के दौरान 20 एफपीओ, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम, कृषि निवेशों से संबंधित 40 फर्म, अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र वाराणसी आदि भी हिस्सा लेंगे। कृषि संबधी उत्पादों, उपकरणों, बीज व रसायन निर्माताओं को मंच मिलेगा तो आगंतुकों को उत्तर प्रदेश की उन्नत कृषि संस्कृति और तकनीक से रूबरू कराया जाएगा। यहां प्रदेश के प्रगतिशील किसानों व कंपनियों को अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म मिलेगा। पूरे उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व एक ही स्थान पर होगा। इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 में कृषि विभाग को एक हजार स्क्वायर मीटर आवंटित किया गया है। कृषि, कृषि शिक्षा, कृषि संबंधी संस्थाएं, मंडी परिषद-कृषि विपणन निदेशालय, कृषि उपकरण, उर्वरक, बीज व पौध संरक्षण रसायन निर्माता कंपनियां हिस्सा लेंगी। इंटरनेशनल ट्रेड शो के आयोजन में कृषि विभाग की भी बड़ी हिस्सेदारी है। कृषि विभाग के संवाद व समन्वय से इसमें 20 से अधिक किसान उत्पादक संगठन एफपीओ हिस्सा लेंगे।अलीगढ़, सीतापुर, वाराणसी, लखनऊ,हरदोई, सिद्धार्थनगर, कुशीनगर, ललितपुर, मीरजापुर, बुलंदशहर, प्रतापगढ़, अलीगढ़, बहराइच, इटावा, गाजियाबाद, अमरोहा, कानपुर, सहारनपुर, गोंडा समेत विभिन्न जनपदों की सहभागिता रहेगी। कृषि विभाग की तरफ से लगने वाली प्रदर्शनी में सीड्स, फर्टिलाइजर, कृषि यंत्रों से जुड़ी कंपनियां भी प्रतिभाग करेंगी। इसमें एफपीओ के 20, कृषि निवेशों बीज, पेस्टिसाइड, उर्वरक, यंत्र के 40 व एक शासकीय समेत 61 स्टॉल लगेंगे। कृषि विभाग की ओर से संवाद, समन्वय व देखरेख के लिए नोडल अधिकारी भी नामित किए गए हैं। संपूर्ण व्यवस्था के लिए संयुक्त निदेशक ब्यूरो नियोजन एके सिंह नोडल अधिकारी रहेंगे। बीज उत्पादन करने वाली कंपनियों से संवाद के लिए अपर कृषि निदेशक बीज व प्रक्षेत्र वाईपी सिंह तथा उर्वरक की कंपनियों की देखरेख के लिए संयुक्त कृषि निदेशक उर्वरक हरेंद्र कुमार मिश्र को नोडल अधिकारी नामित किया गया है। कृषि रक्षा रसायनों के लिए अपर कृषि निदेशक कृषि रक्षा डॉ. आशुतोष कुमार मिश्र, कृषि उपकरण व ड्रोन बनाने वाली कंपनियों के लिए संयुक्त कृषि निदेशक अभियंत्रण बलराम वर्मा को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो के चतुर्थ संस्करण 25 से 29 सितंबर के आयोजन में कृषि विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। विभाग ने तैयारी पूरी कर ली है। अतिथि व आगंतुक उत्तर प्रदेश की उन्नत कृषि संस्कृति और कृषि क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की प्रगति से रूबरू होंगे। आयोजन में एफपीओ, बीज कंपनी, उर्वरक कंपनी, कृषि यंत्रीकरण कंपनी आदि की भी सहभागिता रहेगी।

यूपी के चार हिस्से वाले ओपी राजभर के बयान पर सपा और कांग्रेस का हमला, कहा–भाजपा लिखती है उनके कमेंट

लखनऊ । उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री और सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने हाल ही में बयान दिया है कि उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में बांटा जाएगा और अगर पूर्वांचल अलग राज्य बनता है तो किसी राजभर का बेटा ही मुख्यमंत्री बनेगा। राजभर के इस बयान पर सपा और कांग्रेस नेताओं ने पलटवार किया है। सपा प्रवक्ता उदयवीर सिंह ने कहा, ÷राजभर के बयान भारतीय जनता पार्टी सरकार के सूचना विभाग के अधिकारी लिखते हैं और वे जो चाहते हैं, उनसे वही कहलवाते हैं। आप उनके बयानों की सच्चाई का अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि वे जोर-शोर से कहते रहे कि पंचायत चुनाव समय पर होंगे, फिर भी वे चुनाव नहीं करवा पाए, जबकि उसी विभाग के मंत्री हैं। जिस मंत्री को अपने ही विभाग के बारे में सही जानकारी नहीं है, हमें दूसरे मामलों में उनसे जानकारी लेने की कोई जरूरत नहीं है।÷ उदयवीर सिंह ने कहा, ÷हर कोई उनसे (ओपी राजभर) पूछ रहा है, आरक्षण को लेकर किए गए वादों पर वे क्यों कायम नहीं रहे? वे भाजपा से उन्हें पूरा क्यों नहीं करवा पाए? वे भाजपा सरकार में मंत्री हैं, फिर भी जिनके आरक्षण के अधिकारों के साथ समझौता हुआ है, उनसे मिलने जाते हैं, तो वे निजी मुलाकातों में उनसे कहते हैं कि योगी आदित्यनाथ पिछड़े वर्गों के विरोधी हैं और उनकी बात नहीं सुनते। जब वे आरक्षण और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर भाजपा को चुनौती नहीं दे सकते, तो ऐसी क्या मजबूरी है जो उन्हें अपनी कुर्सी से चिपके रहने पर मजबूर कर रही है?÷ समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता आशुतोष वर्मा ने आईएएनएस से कहा, ÷मैंने वह पोस्ट पढ़ा और हमें यह भी पता है कि ओम प्रकाश राजभर का एक्स अकाउंट भाजपा आईटी सेल ने हैक कर लिया है। अब तो हमने यह भी सुना है कि उन्होंने पासवर्ड भी मांग लिया है। इसलिए वहां से जो भी जानकारी आती है, वे उसे हमें भेज देते हैं। वे एक तरह से संदेशवाहक बन गए हैं। कम से कम भाजपा ने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह मान लिया है कि वे उत्तर प्रदेश का विकास नहीं कर पाए हैं और इसीलिए वे कह रहे हैं कि उत्तर प्रदेश को चार हिस्सों में बांट दिया जाए और फिर वे उसका विकास करेंगे। ओम प्रकाश राजभर की बातों से भाजपा की असलियत सामने आ गई है।÷ कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा, ÷ओम प्रकाश राजभर आज मानसिक रूप से इतने परेशान हो गए हैं कि शायद कुछ अधिकारियों द्वारा जब्त की गई उनकी आईडी अब उन्हें पासवर्ड के साथ वापस कर दी गई है। अब जब चुनाव आ गए हैं, तो वे नाटक कर रहे हैं और राजभर समुदाय को सम्मान दिलाने का दिखावा कर रहे हैं। उन्हें हमें बताना चाहिए कि पिछले चार वर्षों में मंत्री रहते हुए उन्होंने राजभर समुदाय के लिए क्या किया है? क्या उन्होंने उन वादों में से कोई भी पूरा किया जिनके आधार पर उन्होंने राजभर समुदाय के वोट लिए थे? क्या अनुसूचित जाति श्रेणी में शामिल राजभर लोगों को आरक्षण का लाभ मिला? क्या उनके बच्चे सब-इंस्पेक्टर बने? अब वे किसी को मुख्यमंत्री बनाने की बात कर रहे हैं। अब राजभर समुदाय ओम प्रकाश राजभर को समझ चुका है, और इस बार पूरा राजभर समुदाय आपको और भाजपा दोनों को आपकी सही जगह दिखा देगा।÷ कांग्रेस नेता आसिम वकार ने कहा, ÷राजभर साहब को कम से कम यह तो कहना चाहिए था कि अगर चार हिस्से होते हैं, तो राजभर समुदाय का कोई व्यक्ति मुख्यमंत्री बनेगा। सिर्फ उनका बेटा ही क्यों बने? क्या राजभर का मतलब सिर्फ राजभर परिवार है? अमित राजभर, अरुण राजभर और ओम प्रकाश राजभर। मुझे लगता है कि दूसरी पार्टियों में भी राजभर समुदाय के लोग हैं। उन्होंने उनके नामों का जिक्र क्यों नहीं किया?÷

यूपी की स्वास्थ्य व्यवस्था को मिली नई रफ्तार

लखनऊ 21 सितंबर।योगी सरकार के कार्यकाल में साढ़े नौ वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र के बुनियादी ढांचे में उल्लेखनीय विस्तार दर्ज किया गया है। प्रदेश में जिला स्तर से लेकर सामुदायिक और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं का नेटवर्क बढ़ा है। क्रिटिकल केयर, डायग्नोस्टिक सेवाओं, नर्सिंग शिक्षा और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाने पर भी जोर दिया गया है।योगी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए साढ़े नौ वर्षों में चिकित्सा संस्थानों की संख्या बढ़ाने, प्राथमिक और सामुदायिक स्तर पर सुविधाएं मजबूत करने तथा विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाओं को जिलों और ब्लॉक स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया है। 2017 में प्रदेश में 109 जिला स्तरीय राजकीय एवं विशिष्ट चिकित्सालय थे, जिनकी संख्या वर्ष 2026 में बढ़कर 234 हो गई। इन संस्थानों की संख्या में करीब 115 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। सीएचसी की संख्या 821 से बढ़कर 977 हो गई। सीएचसी नेटवर्क में 19 प्रतिशत का विस्तार हुआ। वहीं, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या 2,811 से बढ़कर 3,035 हुई है, जो करीब 8 प्रतिशत की वृद्धि है। नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में विस्तार अपेक्षाकृत अधिक रहा। 2017 में 542 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र थे, जबकि वर्ष 2026 में इनकी संख्या बढ़कर 721 हो गई। इस स्तर पर 33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। कुल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की संख्या भी 3,353 से बढ़कर 3,756 हो गई, जो करीब 12 प्रतिशत की वृद्धि है।प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे निचली इकाई माने जाने वाले स्वास्थ्य उपकेंद्रों की संख्या में भी बड़ा विस्तार हुआ है। 2017 में प्रदेश में 20,573 स्वास्थ्य उपकेंद्र थे, जबकि 2026 में इनकी संख्या बढ़कर 28,845 हो गई। यह करीब 40 प्रतिशत की वृद्धि है। इससे ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के प्रयासों का संकेत मिलता है। स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के साथ योगी सरकार ने नई सुविधाओं को भी स्वास्थ्य संस्थानों से जोड़ने पर जोर दिया है। वर्ष 2017 में नगरीय आयुष्मान आरोग्य मंदिर नहीं थे, वर्ष 2026 तक इनकी संख्या 1,425 हो गई। प्रदेश में 29,896 आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, जिनमें राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से 14,872 तथा अन्य माध्यमों से संचालित केंद्र भी शामिल हैं।स्वास्थ्य व्यवस्था के विस्तार के साथ मानव संसाधन तैयार करने के लिए नर्सिंग शिक्षा के नेटवर्क को भी बढ़ाया गया है।

2017 में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के साथ नर्सिंग कॉलेजों की संख्या शून्य थी, जो वर्ष 2026 में 73 हो गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एनेस्थीसिया क्लीनिक और अन्य विशेषज्ञ सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाई गई है। 543 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर एनेस्थीसिया क्लीनिक तथा मानव संसाधन तैनाती की व्यवस्था की गई है। ऑक्सीजन प्लांट की संख्या 189 और ब्लड स्टोरेज यूनिट की संख्या 161 तक पहुंच चुकी है। क्रिटिकल केयर सेवाओं को मजबूत करने के लिए डिजिटल एक्स-रे मशीनों की उपलब्धता भी बढ़ाई गई है। ईसीआरपी-2 के तहत 370 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर डिजिटल एक्स-रे मशीनों की व्यवस्था की गई है। अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर उपलब्ध कराई जा रही है। प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में बदलाव केवल अस्पतालों की संख्या बढ़ाने तक सीमित नहीं है। योगी सरकार ने ऑक्सीजन प्लांट, ब्लड स्टोरेज, डिजिटल एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड, क्रिटिकल केयर ब्लॉक और इंटीग्रेटेड पब्लिक हेल्थ लैब जैसी सुविधाओं को भी विस्तार दिया है।

सम्पादकीय

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में जेन जी ने एबीवीपी को जीताया एनएसयूआई को छकाया, समझिए इसके राजनीतिक निहितार्थ

देखा जाए तो दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के परिणाम केवल एक छात्र संगठन की जीत या हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह देश के सबसे बड़े छात्र निर्वाचन क्षेत्रों में से एक–जहाँ युवा (जेन जी) मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं–के वैचारिक और सामाजिक रुझान को दर्शाते हैं।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2026 के परिणाम घोषित हो चुके हैं, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ समर्थित छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए केंद्रीय पैनल के चार में से तीन मुख्य पदों (अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव) पर जीत हासिल की है। वहीं उपाध्यक्ष पद पर एक बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहाँ निर्दलीय उम्मीदवार दीपांशु शौकीन ने बड़ी जीत दर्ज की है। इस चुनाव में कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई का खाता भी नहीं खुल सका। इससे साफ है कि जेन-जी युवाओं का रूझान अब भी एबीवीपी के साथ बना हुआ है। चर्चित जेन-जी आंदोलन के बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जेन-जी युवाओं को खुद से जोड़े रखने का जो बीड़ा उठाया, वह सफल रहा। इसके राजनीतिक और सामाजिक प्रभाव भी दूरगामी होंगे। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव 2026 में कांटे की टक्कर हुई। अध्यक्ष पद के लिए मतगणना के दौरान कई राउंड तक यश डबास और विजय मीणा के बीच बेहद करीबी मुकाबला देखा गया, लेकिन अंतिम राउंड्स में यश डबास ने बाजी मार ली। इस साल 18 सितंबर को हुए मतदान में 40.46त्न वोटिंग दर्ज की गई थी, जो कि पिछले 3 वर्षों में सबसे अधिक रही। दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के बाद चुनाव नतीजों के बाद किसी भी तरह के विजय जुलूस या रैलियों पर पूरी तरह से रोक लगाई गई थी। समझिए इसके राजनीतिक निहितार्थ–

देखा जाए तो दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव के परिणाम केवल एक छात्र संगठन की जीत या हार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह देश के सबसे बड़े छात्र निर्वाचन क्षेत्रों में से एक–जहाँ युवा (जेन जी) मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं–के वैचारिक और सामाजिक रुझान को दर्शाते हैं। इस चुनाव परिणाम और रुझान के राजनीतिक व सामाजिक मायने निम्नलिखित बिंदुओं के माध्यम से समझे जा सकते हैं–

एक, %जेन जी का व्यावहारिक राजनीति की ओर झुकाव– जेन जी (1997-2012 के बीच जन्मे युवा) को अक्सर वैचारिक रूप से स्वतंत्र माना जाता है। एबीवीपी की मजबूत उपस्थिति यह दर्शाती है कि संगठन ने केवल पारंपरिक या राष्ट्रीय मुद्दों पर ध्यान केंद्रित न करके कैंपस की व्यावहारिक समस्याओं (जैसे हॉस्टल, वाई-फाई, स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और फीस) को अपने एजेंडे में शामिल किया। युवाओं ने अमूर्त नारों के बजाय धरातल पर काम करने वाले संगठन पर भरोसा जताया। दो, एनएसयूआई संगठनात्मक संकट का संकेत– एनएसयूआई का पिछड़ना या कमजोर प्रदर्शन यह दिखाता है कि मुख्य विपक्षी छात्र संगठन कैडर स्तर पर युवाओं से जुड़ने और उन्हें पोलिंग बूथ तक लाने में पूरी तरह सफल नहीं हो पा रहा है।

कैडर आधारित नेटवर्क की कमी– एबीवीपी का संगठनात्मक ढांचा वर्षभर कैंपस गतिविधियों में सक्रिय रहता है, जबकि एनएसयूआई का चुनावी तंत्र अक्सर चुनाव घोषित होने के बाद अधिक सक्रिय दिखता है।

विकल्प प्रस्तुत करने में विफलता– विपक्ष के रूप में केवल सत्ताधारी पार्टी या संगठन की आलोचना करना ही पर्याप्त नहीं होता; युवाओं के सामने एक ठोस और आकर्षक एजेंडा पेश करना आवश्यक होता है।

तीन, वामपंथी राजनीति की घटती पकड़– दिल्ली विश्वविद्यालय के परिसरों में वामपंथी छात्र संगठनों (ढ्ढ्न, स्न्नढ्ढ आदि) का आधार ऐतिहासिक रूप से सीमित रहा है, लेकिन इस चुनाव में उनकी नगण्य उपस्थिति यह साबित करती है कि मुख्यधारा के परिसरों में अति-सैद्धांतिक राजनीति अब युवा छात्रों को आकर्षित नहीं कर पा रही है। चार, राष्ट्रीय मुख्यधारा की राजनीति का प्रतिबिंब– डूसू के चुनाव हमेशा से देश की राष्ट्रीय राजनीति का रुझान तय करने वाले सूचकांक माने जाते हैं। एबीवीपी को मिला समर्थन यह संकेत देता है कि शहरी, शिक्षित और पहली बार वोट करने वाले युवाओं का बड़ा वर्ग केंद्र में मौजूदा राजनीतिक विचारधारा और उसके छात्र पंख के प्रति सहज रुख रखता है।

पांच, निर्दलीय/स्वतंत्र उम्मीदवारों का उभरता प्रभाव– इस चुनाव में मुख्य पदों पर निर्दलीय उम्मीदवारों द्वारा दी गई कड़ी टक्कर और जीत (जैसे उपाध्यक्ष पद पर) यह स्पष्ट करती है कि %जेन जी% किसी एक पार्टी या कैडर के प्रति आंख मूंदकर वफादार नहीं है। यदि मुख्य संगठन सही प्रत्याशी या एजेंडा तय नहीं करते, तो युवा वोटर्स निर्दलीय या नए विकल्पों को चुनने में संकोच नहीं करते। वस्तुत– डूसू चुनाव के ये नतीजे यह स्पष्ट करते हैं कि आज की युवा पीढ़ी केवल भावनात्मक या पारंपरिक राजनीतिक नारों पर वोट नहीं देती।

लाचारी का भाव बढ़ा

संयुक्त राष्ट्र की यह पहली ऐसी रिपोर्ट है, जिसमें इतनी अंधकारमय तस्वीर का वर्णन है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि नेपाल में जो हुआ, वह दुनिया के संभावित भविष्य की एक मिसाल भर है।

ग्लेशियर गिरने से नेपाल में आई तबाही की दर्दनाक कहानियों के बीच संयुक्त राष्ट्र ने यह भयानक आकलन दुनिया के सामने रखा है कि ग्लोबल वॉर्मिंग से गंभीरतम किस्म की क्षतियों को रोकने का अवसर धरती ने गंवा दिया है। अब चुनौती इस पर विचार करने की है कि बढ़ चुके तापमान को कैसे फिर से खतरे की सीमा से नीचे लाया जाए। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने अपनी ताजा रिपोर्ट में बताया है कि 2015 की पेरिस जलवायु संधि में जिस तापमान को लेकर चेताया गया था, वह सीमा जल्द ही पार होने वाली है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि तब दी गई चेतावनी पर शासकों ने ध्यान नहीं दिया। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जारी रहा। नतीजतन, धरती का तापमान खतरनाक सीमा तक पहुंच गया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक यह संयुक्त राष्ट्र की पहली ऐसी रिपोर्ट है, जिसमें इतनी अंधकारमय तस्वीर का वर्णन है। जलवायु विशेषज्ञों ने कहा है कि नेपाल में जो हुआ, वह दुनिया के संभावित भविष्य की एक मिसाल भर है। जलवायु परिवर्तन के कारण दुनिया भर में ग्लेशियर पिघल रहे हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इसकी सबसे बड़ी मार उन जन समूहों पर पड़ रही है, ग्लोबल वॉर्मिंग में जिनकी नगण्य भूमिका है। ग्रीनहाउस गैसों के वैश्विक उत्सर्जन में नेपाल का हिस्सा सिर्फ 0.1 प्रतिशत है। प्रति व्यक्ति ग्रीनहाउस गैसों का सबसे ज्यादा उत्सर्जन अमेरिका और अन्य विकसित देशों में होता है। लेकिन जलवायु परिवर्तन रोकने की अपनी जिम्मेदारी से वे देश अब पूरा मुंह मोड़ चुके हैं।

डॉनल्ड ट्रंप के कार्यकाल में पर्यावरण संरक्षण के बजट में भारी कटौती हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भू-स्खलन सहित अन्य प्राकृतिक खतरों की निगरानी के लिए नेपाल को अमेरिका से जो मदद मिलती थी, ट्रंप के कार्यकाल में उसे रोक दिया गया। आपदा आने के बाद सवाल उठा है कि क्या अगर वो कार्यक्रम जारी रहता, तो तबाही से पहले एहतियाती इंतजामों का मौका मिल सकता था? बहरहाल, विकसित दुनिया अभी ऐसे सवालों को ठेंगे पर रख रही है। ऐसे में जलवायु परिवर्तन जनित प्राकृतिक आपदाओं की आशंका को लेकर लाचारी का भाव बढ़ा है, तो वह लाजिमी ही है।

आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना

5.0 की मुख्य विशेषताएं

ईसीएलजीएस 5.0 31 मार्च 2027 तक, या 2.55 लाख करोड़ रुपये की गारंटी जारी होने तक (जो भी पहले हो) प्रभावी है। इसमें एमएसएमई, पात्र गैर-एमएसएमई व्यावसायिक उधारकर्ता और अनुसूचित यात्री एयरलाइन कंपनियां शामिल हैं। उधारकर्ताओं को एनसीजीटीसी द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा, जिसमें खाता स्थिति और अन्य लागू ऋण मानदंड शामिल हैं। ऋण सहायता अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, अनुसूचित शहरी सहकारी बैंकों, वित्तीय संस्थानों और पात्र गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के माध्यम से प्रदान की जाती है।

एमएसएमई और पात्र गैर-एमएसएमईक्क पात्र उधारकता–ृयह योजना उन उधारकर्ताओं के लिए उपलब्ध है ।

ईसीएलजीएस 5.0 बाहरी व्यवधानों से प्रभावित व्यवसायों को लक्षित क्रेडिट गारंटी सहायता प्रदान करती है। नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी द्वारा क्रियान्वित यह योजना पात्र ऋणदाता संस्थानों को कम क्रेडिट जोखिम के साथ अतिरिक्त कार्यशील पूंजी देने में सक्षम बनाती है। यह सरकार समर्थित गारंटियों के माध्यम से एमएसएमई, पात्र गैर-एमएसएमई व्यवसायों और अनुसूचित यात्री एयरलाइंस का समर्थन करती है। कोविड-19 महामारी के दौरान शुरू किए गए ईसीएलजीएस के पूर्ववर्ती चरणों के आधार पर, यह योजना व्यावसायिक निरंतरता को समर्थन देने के साथ-साथ संस्थागत ऋण तक पहुंच को मजबूत करती है। व्यापक पहुंच, जन समर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल पहुंच तथा बैंकों और वित्तीय संस्थानों की भागीदारी ने इसके दायरे का विस्तार किया है। तरलता में सुधार, रोजगार की सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत करके, ईसीएलजीएस 5.0 वैश्विक अनिश्चितता के दौर में व्यावसायिक लचीलेपन और सतत आर्थिक विकास में योगदान देती है।

बाहरी आर्थिक झटकों के दौरान उद्यमों को सहायता

भारत भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच आर्थिक विकास को बनाए रखने, आजीविका की सुरक्षा करने और निर्बाध व्यावसायिक संचालन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस तरह के घटनाक्रम आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर सकते हैं, लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ा सकते हैं और विभिन्न क्षेत्रों के व्यवसायों के लिए तरलता (लिक्विडिटी) का दबाव पैदा कर सकते हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार ने 5 मई 2026 को आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) 5.0 को मंजूरी दी। यह योजना नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) द्वारा क्रियान्वित की जाती है। यह पात्र व्यावसायिक उधारकर्ताओं को अतिरिक्त कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) देने के लिए सदस्य ऋणदाता संस्थानों (एमएसएमई) को सरकार समर्थित क्रेडिट गारंटी प्रदान करती है। इसका उद्देश्य 2.55 लाख करोड़ रुपये तक के अतिरिक्त ऋण प्रवाह को सुगम बनाना है।

यह योजना निर्बाध घरेलू उत्पादन और लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं का समर्थन करती है। यह बाहरी व्यवधानों के दौरान व्यवसायों को रोजगार बनाए रखने और आर्थिक गतिविधियों को जारी रखने में भी मदद करती है। इसके अलावा, बढ़ी हुई तरलता उद्यमों को अल्पकालिक परिचालन और वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सक्षम बनाती है।

ईसीएलजीएस का विकास

ईसीएलजीएस को वर्ष 2020 में आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत लॉन्च किया गया था। इस योजना का उद्देश्य व्यवसायों को कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट से उबरने में मदद करना था। इसने सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100त्न सरकार समर्थित गारंटी के साथ अतिरिक्त ऋण प्रदान करने में सक्षम बनाया। विभिन्न क्षेत्रों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए ईसीएलजीएस क्रमिक चरणों के माध्यम से विकसित हुई है–

ईसीएलजीएस 1.0 ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई), व्यावसायिक उद्यमों, मुद्रा उधारकर्ताओं और व्यक्तिगत व्यावसायिक ऋणों को कवर किया। 29 फरवरी 2020 तक 50 करोड़ रुपये से अनधिक के बकाया ऋण और 60 दिनों तक के ओवरड्यू वाले उधारकर्ता इसके पात्र थे।

ईसीएलजीएस 2.0 ने कामथ समिति द्वारा पहचाने गए 26 संकटग्रस्त क्षेत्रों और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र तक अपने दायरे का विस्तार किया। इसमें 29 फरवरी 2020 तक 50 करोड़ रुपये से अधिक और 500 करोड़ रुपये तक के बकाया ऋण तथा 60 दिनों तक के ओवरड्यू वाले उधारकर्ताओं को शामिल किया गया।

ईसीएलजीएस 3.0 ने हॉस्पिटैलिटी, यात्रा और पर्यटन, अवकाश एवं खेल तथा नागरिक उड्डयन क्षेत्रों को सहायता प्रदान की। 29 फरवरी 2020 तक ऋण संस्थानों से क्रेडिट सुविधाएं प्राप्त और 60 दिनों तक के ओवरड्यू वाले उधारकर्ता इसके पात्र थे।

ईसीएलजीएस 4.0 ने महामारी के दौरान स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया। इसमें अस्पताल/नर्सिंग होम/क्लिनिक/मेडिकल कॉलेज/ और तरल ऑक्सीजन, ऑक्सीजन सिलेंडर आदि के निर्माता शामिल थे। 31 मार्च 2021 तक क्रेडिट सुविधाएं प्राप्त और 90 दिनों तक के ओवरड्यू वाले संस्थान इसके पात्र थे।

प्रत्येक चरण ने उभरती आर्थिक और क्षेत्र-विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार योजना के दायरे का विस्तार किया। ईसीएलजीएस 1.0 से 4.0 तक, कुल 3.68 लाख करोड़ रुपये की 1.19 करोड़ गारंटियां जारी की गईं। यह योजनाएं 31 मार्च 2023 को समाप्त हो गईं।

ईसीएलजीएस 5.0 की मुख्य विशेषताएं

ईसीएलजीएस 5.0 31 मार्च 2027 तक, या 2.55 लाख करोड़ रुपये की गारंटी जारी होने तक (जो भी पहले हो) प्रभावी है। इसमें एमएसएमई, पात्र गैर-एमएसएमई व्यावसायिक उधारकर्ता और अनुसूचित यात्री एयरलाइन कंपनियां शामिल हैं। उधारकर्ताओं को एनसीजीटीसी द्वारा निर्धारित पात्रता शर्तों को पूरा करना होगा, जिसमें खाता स्थिति और अन्य लागू ऋण मानदंड शामिल हैं। ऋण सहायता अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, अनुसूचित शहरी सहकारी बैंकों, वित्तीय संस्थानों और पात्र गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के माध्यम से प्रदान की जाती है।

एमएसएमई और पात्र गैर-एमएसएमईक्क

पात्र उधारकता– ृयह योजना उन उधारकर्ताओं के लिए उपलब्ध है जिनके पास 31 मार्च 2026 तक सदस्य ऋणदाता संस्थानों (एमएसएमई) से मौजूदा कार्यशील पूंजी सुविधाएं थीं। उनके ऋण पुनर्भुगतान में 60 दिनों से अधिक का बकाया (ओवरड्यू) नहीं होना चाहिए। जिन उधारकर्ताओं ने निर्यातकों के लिए क्रेडिट गारंटी योजना (सीजीएसई) के तहत पहले ही अतिरिक्त ऋण प्राप्त कर लिया है, वे सीजीएसई के तहत प्राप्त राशि की सीमा तक ईसीएलजीएस 5.0 के तहत सहायता के पात्र नहीं हैं।

यह योजना सभी क्षेत्रों के एमएसएमई के लिए उपलब्ध है। पात्र गैर-एमएसएमई उधारकर्ताओं के लिए कुछ क्षेत्रों को इस योजना के दायरे से बाहर रखा गया है। इनमें गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी), विद्युत (उत्पादन, पारेषण और वितरण), दूरसंचार सेवा प्रदाता, चीनी और एथेनॉल, तथा सूचना प्रौद्योगिकी (आई टी) कंपनियां शामिल हैं। इस सूची में कागज और कागज उत्पाद, शैक्षणिक संस्थान, पेय पदार्थ (चाय और कॉफी को छोड़कर) और तंबाकू भी शामिल हैं। जहां कोई उधारकर्ता पात्र और गैर-पात्र दोनों क्षेत्रों में काम करता है, वहां ऋणदाता संस्थान वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान पात्र क्षेत्रों से उत्पन्न टर्नओवर के अनुपात के आधार पर पात्रता निर्धारित करता है।

क्रेडिट गारंटी कवरेज– पात्र एमएसएमई को दिए जाने वाले ऋण के लिए 100त्न गारंटी और पात्र गैर एमएसएमई के लिए 90त्न गारंटी कवरेज।

कोई गारंटी शुल्क नहीं– इस योजना के तहत एमएसएमई द्वारा कोई गारंटी शुल्क देय नहीं है।

सदस्य ऋणदाता संस्थान (एमएसएमई) वे ऋण संस्थान हैं जो पात्र उधारकर्ताओं को अतिरिक्त क्रेडिट सुविधाएं देने के लिए ईसीएलजीएस 5.0 के तहत पंजीकृत हैं। इसमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंक, स्मॉल फाइनेंस बैंक, विदेशी बैंक, सहकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (आरआरबी), गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनिया)एनबीएफसी) और वित्तीय संस्थान शामिल हैं।

अतिरिक्त ऋण सहायता– यह योजना वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही के दौरान उच्चतम फंड-आधारित कार्यशील पूंजी बकाया के 20त्न तक का अतिरिक्त ऋण प्रदान करती है, जिसकी अधिकतम सीमा 100 करोड़ रुपये प्रति उधारकर्ता है।

ऋण की ब्याज दर– यह योजना सुनिश्चित करती है कि ऋण विनियमित ब्याज दरों पर उपलब्ध हों। एमएसएमई के लिए दर ईबीएलआर पर आधारित है, जबकि पात्र गैर-एमएसएमई से एमसीएलआर के आधार पर शुल्क लिया जाता है। दोनों ही मामलों में, ऋणदाता संस्थान बेंचमार्क से 0.75त्न अधिक तक शुल्क ले सकते हैं, जो प्रति वर्ष 9त्न की समग्र सीमा के अधीन है। पात्र एनबीएफसी द्वारा दिए जाने वाले ऋणों के लिए ब्याज दर 13त्न प्रति वर्ष से अधिक नहीं होगी।

एक्सटर्नल बेंचमार्क लेंडिंग रेट (ईबीएलआर) बैंकों द्वारा पात्र खुदरा और सूक्ष्म एवं लघु उद्यम ऋणों पर फ्लोटिंग ब्याज दरें निर्धारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली बेंचमार्क ब्याज दर है। यह बेंचमार्क भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तय किया जाता है।

मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड्स-बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा तय की गई बैंकों के लिए एक आंतरिक संदर्भ दर है। यह बैंकों को विभिन्न प्रकार के ऋणों पर न्यूनतम ब्याज दर निर्धारित करने में मदद करती है।

ऋण अवधि– ऋण की अवधि पहले संवितरण (वितरण) की तारीख से 5 वर्ष होगी, जिसमें 1 वर्ष की मोहलत अवधि (मोराटोरियम) शामिल है।

अनुसूचित यात्री एयरलाइंस

पात्रता की शत– ृअनुसूचित यात्री एयरलाइन क्षेत्र के व्यावसायिक उद्यम पात्र हैं यदि उनके पास 31 मार्च 2026 तक एमएसएमई से बकाया फंड-आधारित और गैर-फंड-आधारित क्रेडिट सुविधाएं थीं। उसी तारीख को क्रेडिट सुविधाओं को %मानक% (एसएमए -2 को छोड़कर) के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए।

क्रेडिट गारंटी कवरेज– पात्र अनुसूचित यात्री एयरलाइंस को दिए जाने वाले ऋण के लिए 90त्न क्रेडिट गारंटी उपलब्ध है।

विविध

आज का राशिफल

मेष राशि– आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको व्यापारिक रिश्तों का लाभ मिलेगा, जिससे आपका काम समय पर पूरा हो जाएगा। आज दोस्तों के साथ बाहर जाने का प्लान बनेगा। साथ ही आज परिवार से संबंधित लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय सकारात्मक रहेंगे। आज आपको किसी समस्या से राहत मिलेगी, जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। आज आप ऑनलाइन शॉपिंग करते समय अपने बजट का ध्यान रखें, वरना महत्वपूर्ण गतिविधियां बाधित हो सकती हैं।
शुभ रंग- ग्रे
शुभ अंक- 8

वृष राशि– आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज पहले की अपेक्षा आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। इस राशि के आर्किटेक्ट क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के लिए आज का दिन सौगात लेकर आया है। आज आपके कार्यों की तारीफ हो सकती है। आज सामाजिक गतिविधियों में दिन का अधिकतम समय बीतेगा। साथ ही अपने संपर्कों का दायरा और अधिक विस्तृत करना फायदेमंद रहेगा। आज अनुभवी लोगों के साथ समय व्यतीत करने से आपके व्यक्तित्व पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आज आप बेवजह की बातों से दूर रहें और बिना मांगे किसी को सलाह न दें।
शुभ रंग- नीला
शुभ अंक- 6

मिथुन राशि– आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मीडिया और मार्केटिंग संबंधी व्यवसाय से नई-नई जानकारियां मिलेंगी, जिससे आपकी कार्यप्रणाली में भी गति आएगी। इस राशि की महिलाएं अपने काम को लेकर काफी उत्साहित रहेंगी। आज आपको ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को पूरा करने में उच्चाधिकारियों का पूरा मार्गदर्शन मिलेगा। आज आप जीवनसाथी को जरूरत का सामान गिफ्ट करेंगे, जिससे रिश्ते में मिठास बढ़ेगी।
शुभ रंग- पीला
शुभ अंक- 1

कर्क राशि– आज आपका दिन आपके जीवन में नया बदलाव लेकर आएगा। आज घर वालों का भरपूर प्यार और सहयोग मिलेगा। साथ ही आज आप स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। आज आपको बच्चों के प्रति सहानुभूति और स्पष्टता रखने की जरूरत है। आज आपका धार्मिक कार्यों की तरफ झुकाव थोड़ा ज्यादा रहेगा, आप शाम को मंदिर जाकर भजन-कीर्तन में समय व्यतीत करेंगे। आज माता-पिता का आशीर्वाद लेकर घर से बाहर निकलने से अधिकतर काम आसानी से होंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है।
शुभ रंग- नेवी ब्लू
शुभ अंक- 2

सिंह राशि– आज आप अपने दिन की शुरुआत नई उमंग के साथ करेंगे। आज जिस काम को पूरा करने की ठान लेंगे, उसे पूरा करके ही दम लेंगे। आज आपको किसी काम में बेहतर परिणाम मिलेंगे, जिससे आपका उत्साह और मनोबल बना रहेगा। साथ ही परिवार के साथ कोई मनोरंजक प्रोग्राम भी बनेगा। आज व्यापारियों के लिए दिन अच्छा है, धन लाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। आज स्वास्थ्य के लिहाज से दिन ठीक रहेगा।
शुभ रंग- गुलाबी
शुभ अंक- 5

कन्या राशि– आज आपका दिन रचनात्मक कार्यों में लगा रहेगा। आप पिछले कुछ समय से जिस काम के लिए प्रयास कर रहे थे, आज उससे संबंधित खुशखबरी मिल सकती है। परंतु दूसरों से उम्मीद रखने की बजाय अपनी योग्यता पर विश्वास रखना ज्यादा बेहतर रहेगा, इससे आपका मनोबल बना रहेगा। संभव हो तो कार्य शाम होने से पहले ही संपन्न कर लें। इस राशि के जो व्यक्ति फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े हैं, आज उन्हें किसी शो में एक्टिंग करने का ऑफर मिलेगा।
शुभ रंग- लाल
शुभ अंक- 3

तुला राशि– आज आपका दिन खुशनुमा बना रहेगा। आज आप उन चीजों को ज्यादा महत्व देंगे जो आपके लिए जरूरी हैं। साथ ही आपको काम, परिवार और दोस्तों के बीच संतुलन बनाकर रखना चाहिए, ऐसा करने से आपके रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। आज दिन की शुरुआत में ही कोई शुभ समाचार मिलने से दिन अच्छा रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशियां आएंगी और पिछले कुछ समय से चल रही अनबन आज खत्म होगी।
शुभ रंग- नारंगी
शुभ अंक- 8

वृश्चिक राशि– आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आप पारिवारिक व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने के लिए बाहरी व्यक्तियों का अपने घर के मामले में हस्तक्षेप न होने दें। आज आपको नकारात्मक व्यक्तियों से दूरी बनाकर रखनी चाहिए और अपने काम पर फोकस करना चाहिए। साथ ही आज अपने व्यवहार में थोड़ी नरमी रखें, इससे आपके बिगड़ते काम बन जाएंगे। इस राशि के छात्र किसी प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करेंगे।
शुभ रंग- हरा
शुभ अंक- 9

धनु राशि– आज आप आत्मविश्वास से भरपूर रहेंगे। आज आप आर्थिक स्थिति को देखते हुए भविष्य की प्लानिंग बना सकते हैं, आपकी मेहनत का अच्छा परिणाम जल्द ही मिलेगा। आज कार्यस्थल पर गतिविधियां धीमी होने के बावजूद आप अपनी योग्यता और मेहनत से काम को सफल बनाएंगे। आज आपको मार्केटिंग संबंधी गतिविधियों पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है, जिससे आपके लाभदायक संपर्क बन सकते हैं जो भविष्य में आपके काम आएंगे। आज महिलाओं का दिन काफी बिजी रहेगा, प्रोफेशनल काम के साथ-साथ घर का काम और बच्चों की जिम्मेदारी भी बढ़ सकती है।
शुभ रंग- सिल्वर
शुभ अंक- 6

मकर राशि– आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आपको कार्यस्थल पर अपनी उपस्थिति और फोकस बनाए रखना जरूरी है, इससे व्यवसाय में आपकी मेहनत के बेहतर परिणाम सामने आएंगे। आज नौकरीपेशा व्यक्तियों को काम की अधिकता बनी रहेगी, जिससे आपको ओवरटाइम भी करना पड़ सकता है। आज आपके द्वारा किए गए कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। इस राशि के जो व्यक्ति विदेश जाकर नौकरी करना चाहते हैं, उन्हें जल्द ही यह मौका मिलेगा।
शुभ रंग- सुनहरा
शुभ अंक- 6

कुंभ राशि– आज आपका ध्यान धार्मिक कार्यों में लगा रहेगा। आज शाम को आप किसी समारोह में जाएंगे, जहां आपकी मुलाकात किसी खास व्यक्ति से होगी। आज किसी विशेष व्यक्ति से प्रभावित होकर आप भी अपनी दिनचर्या में कुछ परिवर्तन लाने की कोशिश करेंगे तथा कुछ नए कार्यों को करने में आपका ध्यान केंद्रित होगा। आज आप कोई ऐसा निर्णय लेंगे जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा। आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए किसी अच्छी कंपनी से डील फिक्स करेंगे। आज आपका स्वास्थ्य पहले की अपेक्षा ठीक रहेगा।
शुभ रंग- काला
शुभ अंक- 5

मीन राशि–आज का दिन पहले की अपेक्षा ज्यादा लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपको अपनी मेहनत पर भरोसा करके काम करना चाहिए, आपके काम सफल होंगे। आज बिजनेस में मेहनत के मुताबिक नतीजे मिलेंगे और इनकम पहले से बेहतर होगी। लेकिन कोई भी व्यवसाय संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले उचित सोच-विचार करना जरूरी है। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। इस राशि के बच्चे अगर ज्यादा मेहनत करेंगे तो भविष्य में जल्द ही सफलता मिलेगी। साथ ही आज बच्चे अपने पिता से परामर्श भी लेंगे।
शुभ रंग- नीला
शुभ अंक- 7

डिजिटल क्रांति की ओर छत्तीसगढ़ वसुंधरा परियोजना से सुशासन और पारदर्शी राजस्व सेवाओं का नया दौर

विष्णु प्रसाद वर्मा

छत्तीसगढ़ सरकार राज्य के नागरिकों को सुगम, त्वरित और पारदर्शी राजस्व सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए %सेवा के संकल्प% के साथ एक ऐतिहासिक डिजिटल क्रांति का नेतृत्व कर रही है। राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग द्वारा शुरू की गई %वसुंधरा% परियोजना के माध्यम से प्रदेश भर के पुराने और वर्तमान राजस्व अभिलेखों का संपूर्ण डिजिटलीकरण, संरक्षण तथा प्रमाणीकरण किया जा रहा है, जिससे आम जनता को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने से हमेशा के लिए मुक्ति मिलेगी।

सफलता का आधार– दंतेवाड़ा का क्रांतिकारी मॉडल

इस महत्वाकांक्षी योजना की सफलता की मजबूत नींव दंतेवाड़ा जिले के क्रांतिकारी मॉडल पर आधारित है। दंतेवाड़ा में पिछले एक वर्ष के दौरान 12 हजार से अधिक नागरिकों ने कियोस्क सेवाओं का लाभ उठाया और 15 हजार से अधिक जाति प्रमाण-पत्र मात्र एक से दो दिनों में जारी किए गए। इसके साथ ही सैकड़ों विवादित मामलों का त्वरित निराकरण संभव हुआ और अभिलेखों में छेड़छाड़ का एक भी मामला सामने नहीं आया।

विस्तृत खाका– 12.89 करोड़ पृष्ठों का डिजिटलीकरण

दंतेवाड़ा के इसी सफल प्रयोग से प्रेरणा लेते हुए अब पूरे राज्य में लगभग 12 करोड़ 89 लाख पृष्ठों के विभिन्न राजस्व अभिलेखों को डिजिटाइज़ करने का विस्तृत खाका तैयार किया गया है। इसके अंतर्गत 22.72 करोड़ रुपए की लागत से 5.68 करोड़ पृष्ठ खसरा पांचसाला, 11.77 करोड़ रुपए की लागत से 2.94 करोड़ पृष्ठ क्क-1 रिकॉर्ड, 9.98 करोड़ रुपए की लागत से 2.49 करोड़ पृष्ठ नामांतरण व संशोधन पंजी, 2.13 करोड़ रुपए की लागत से 53.16 लाख पृष्ठ मिसल पंजी और 1.89 करोड़ रुपए की लागत से 47.29 लाख पृष्ठ अधिकार अभिलेख शामिल हैं। इसके अतिरिक्त निस्तार पत्रक, वाजिब-उल-अर्ज, रीनंबरिंग सूची, साधारण खसरा, नजूल शीट एवं व्यवर्तन पंजी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों को भी डिजिटल रूप से सुरक्षित किया जाएगा।

वित्तीय ढांचा और समयबद्ध कार्यान्वयन

इस विशाल परियोजना के सुचारू क्रियान्वयन के लिए 65.41 करोड़ रुपए की कुल एकमुश्त पूंजीगत लागत और 50 लाख रुपए प्रति वर्ष का परिचालन व्यय तय किया गया है, जिसकी वित्तीय व्यवस्था राज्य के अधोसंरचना मद और केंद्र सरकार की डीआईएलआरएमपी 3.0 योजना से की जाएगी। योजना के तहत राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के सहयोग से अगले तीन महीनों के भीतर वसुंधरा पोर्टल और मोबाइल ऐप तैयार किया जाएगा, जिसके बाद कार्यदायी एजेंसियों का चयन कर एक वर्ष के भीतर सभी अभिलेखों के डिजिटलीकरण और सत्यापन का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा।

तकनीकी नवाचार– एआई और ब्लॉकचेन से सुरक्षा

%वसुंधरा% परियोजना की सबसे बड़ी खासियत इसमें आधुनिकतम तकनीकों का समावेश है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित ओसीआर, डॉक्यूमेंट क्लासिफिकेशन और स्मार्ट सर्च इंजन की मदद से दशकों पुराने रिकॉर्ड भी पलक झपकते ही खोजे जा सकेंगे। वहीं अभिलेखों में किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी या हेरफेर को रोकने के लिए ब्लॉकचेन आधारित सुरक्षा, डिजिटल हस्ताक्षर और यूनिक क्यूआर व बारकोड प्रणाली लागू की जाएगी।

त्वरित सेवाएं और सुशासन का नया युग

इस योजना के पूर्ण रूप से लागू होने के बाद वर्तमान में नकल प्राप्ति में लगने वाला 3 से 7 दिनों का समय घटकर मात्र कुछ मिनटों का रह जाएगा और यह सेवा नागरिकों को 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। नागरिक अब वेब पोर्टल, मोबाइल ऐप, लोक सेवा केंद्रों और कियोस्क के माध्यम से घर बैठे आसानी से प्रमाणित अभिलेख प्राप्त कर सकेंगे। सुगम ऑनलाइन पेमेंट गेटवे और अधिकारियों के लिए रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसी सुविधाओं से आम जनता को राहत मिलेगी। छत्तीसगढ़ सरकार का यह नवाचार न केवल भूमि विवादों और फर्जीवाड़े पर पूरी तरह अंकुश लगाएगा।

बल्कि राज्य में डिजिटल गवर्नेंस, पारदर्शिता और सुशासन के एक नए युग का सूत्रपात भी करेगा।

चीनी मिल को घाटे से उबारने के लिए किसान सहयोग करें – रामाश्रय राय

संवाददाता

घोसी। सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड घोसी की वार्षिक साधारण सभा की बैठक सोमवार को सर्वोदय पीजी कॉलेज घोसी के पास आयोजित की गई। अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष रणजीत सिंह ने की। बैठक में गन्ना किसानों की समस्याओं, चीनी मिल की तैयारियों और गन्ने की आपूर्ति को लेकर चर्चा हुई। बैठक में किसान सहकारी चीनी मिल घोसी के पूर्व उपसभापति रामाश्रय राय, समिति के संचालक मंडल के सदस्य, डेलीगेट, चीनी मिल और गन्ना विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। चीनी मिल को बचाने में किसान सहयोग करें सभा को संबोधित करते हुए पूर्व उपसभापति रामाश्रय राय ने कहा कि जनपद के एकमात्र औद्योगिक प्रतिष्ठान चीनी मिल घोसी को बचाने के लिए किसानों को सहयोग करना चाहिए। उन्होंने किसानों से चीनी परता में सुधार के लिए पेड़ी गन्ने की आपूर्ति पेड़ी के समय और पौधा गन्ने की आपूर्ति पौधे के समय करने की अपील की। इससे चीनी परता में सुधार और मिल के घाटे को कम करने में मदद मिल सकती है।

किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग समिति के संचालक विद्युत प्रकाश यादव ने कहा कि हर वर्ष चीनी मिल के गन्ना विभाग के अधिकारी किसानों से वादे करते हैं, लेकिन मिल संचालन के दौरान किसानों की समस्याएं बढ़ती रहती हैं। उन्होंने किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए प्रभावी पहल किए जाने की आवश्यकता जताई।

संचालक संगीता द्विवेदी ने कहा कि चीनी मिल प्रबंधन सीजन शुरू होने से पहले मरम्मत कार्य पूरी तरह से सुनिश्चित कर ले, ताकि किसानों को परेशानी न हो। सीजन के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर इसकी जिम्मेदारी मिल प्रबंधन की तय की जानी चाहिए। अंत में समिति अध्यक्ष रणजीत सिंह ने अतिथियों और किसानों का आभार जताया। संचालन मनोज कुमार राय ने किया। बैठक में मुख्य गन्ना अधिकारी अजय कुमार यादव, सचिव हीरालाल राम सहित संचालक मंडल के सदस्य, डेलीगेट और सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

स्टांप शुल्क की जांच को डीएम का औचक निरीक्षण, बैनामे की जमीन का कराया सत्यापन

- करोड़ों की संपत्तियों के बैनामों की होगी जांच, डीएम ने बरपुर में खुद परखी जमीन
- अगस्त के पांच सर्वाधिक मालियत वाले बैनामों में शामिल संपत्ति का बरपुर में किया स्थलीय सत्यापन

संवाददाता

मऊ। बड़े बैनामों में स्टांप शुल्क की गड़बड़ी पर प्रशासन की नजर है। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने सोमवार को अगस्त में पंजीकृत सर्वाधिक मालियत वाले पांच बैनामों में शामिल एक संपत्ति का तहसील सदर के मौजा बरपुर में स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान बैनामे में दर्ज संपत्ति के अभिलेखीय विवरण का मौके की वास्तविक स्थिति से मिलान किया गया।

निरीक्षण में विक्रय अभिलेख संख्या 7407 वर्ष 2026 के तहत मौजा बरपुर में आराजी संख्या 22 मि. की कुल 0.5930 हेक्टेयर भूमि में से 0.03645 हेक्टेयर यानी 364.5 वर्ग मीटर अकृषक भूमि का अंतरण पाया गया। मौके पर बैनामे में दर्ज संपत्ति और उसके मूल्यांकन का सत्यापन किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या संपत्ति का मूल्यांकन सही मिला और स्टांप शुल्क में कोई कमी नहीं पाई गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिले में पंजीकृत महत्वपूर्ण और अधिक मालियत वाले बैनामों का लगातार भौतिक सत्यापन किया जाए। उन्होंने कहा कि अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व), सहायक आयुक्त स्टांप और उप निबंधक भी ऐसे बैनामों का स्थल निरीक्षण कर अभिलेख और मौके की स्थिति का मिलान करेंगे। स्टांप शुल्क में कमी मिलने पर नियमानुसार जुर्माना लगाने के साथ प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

बंधा मार्ग पर गहरा गड्ढा और दरार, हादसे की आशंका से ग्रामीणों ने लगाया लाल झंडा

– सराय भारती-हथिनी मार्ग पर ठैचा के पास सड़क धंसी, मरम्मत की मांग

संवाददाता

रतनपुरा। सराय भारती से ठैचा होते हुए हथिनी तक जाने वाले बंधा मार्ग की हालत बारिश के चलते खतरनाक हो गई है। ठैचा ग्राम पंचायत के पास सड़क आधे से अधिक टूटकर धंस गई है। सड़क पर बने गहरे गड्ढे और दरार से हादसे का खतरा बढ़ गया है। खतरे को देखते हुए ग्रामीणों ने मौके पर लाल झंडा लगाकर लोगों को सतर्क किया है।

ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर पहले से बने गड्ढे को उन्होंने मिट्टी डालकर भर दिया था, लेकिन दो दिन पहले हुई तेज बारिश के बाद सड़क का हिस्सा और धंस गया। इससे मार्ग पर आवागमन करने वाले ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और बाइक सवारों के लिए खतरा पैदा हो गया है। रात के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है। यह बंधा मार्ग सिंचाई विभाग, बलिया के अधीन आता है। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। सड़क की तत्काल मरम्मत नहीं कराई गई तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है।

त्रिलोकी नाथ, चंदन कुमार, रेवती रमण, जितेंद्र कुमार यादव और गोविंद राजभर सहित अन्य ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है। खंड विकास अधिकारी विवेक सिंह ने बताया कि मामले की जानकारी सिंचाई विभाग बलिया के अधिकारियों को दी जाएगी। जल्द ही मरम्मत कराने का प्रयास किया जाएगा।

लाडपुर में भूमि विवाद की हकीकत परखी, एसडीएम ने किया स्थलीय निरीक्षण

– घोषणात्मक वाद में नाम जोड़ने को लेकर सलेहरी बनाम दयाशंकर आदि का मामला, दोनों पक्षों की मौजूदगी में देखी भूमि की स्थिति

घोसी। मऊ। घोसी तहसील क्षेत्र के लाडपुर गांव में भूमि के घोषणात्मक वाद में नाम जोड़ने को लेकर चल रहे विवाद की हकीकत जानने के लिए एसडीएम अशोक कुमार सिंह ने सोमवार को स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर संबंधित भूमि की स्थिति देखी और दोनों पक्षों से मामले की जानकारी ली। उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता-2006 की धारा 144 के तहत चल रहे सलेहरी बनाम दयाशंकर आदि प्रकरण में एसडीएम क्षेत्रीय लेखपाल सपना प्रभाकर के साथ मौके पर पहुंचे। निरीक्षण के दौरान राजस्व अभिलेखों और मौके की स्थिति का मिलान करते हुए विवाद से जुड़े तथ्यों की जानकारी ली गई। दोनों पक्षों की मौजूदगी में भूमि की स्थिति देखने के साथ राजस्व से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जानकारी जुटाई गई। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों से अभिलेखीय स्थिति और मौके से जुड़े तथ्यों की जानकारी भी ली। स्थलीय निरीक्षण के बाद मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन के मौके पर पहुंचकर जांच करने से प्रकरण से जुड़े तथ्यों के स्पष्ट होने की उम्मीद है।

16 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, युवक पर मुकदमा

संवाददाता मधुबन। थाना मधुबन क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने अपनी 16 वर्षीय पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए एक युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले में कार्रवाई शुरू करते हुए किशोरी की तलाश तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार, 18 सितंबर 2026 को सुबह करीब 9 बजे किशोरी के लापता होने की घटना बताई गई है। मामले में परवेज कुरैशी पुत्र नेहाल कुरैशी निवासी सिपाह इब्राहिमाबाद, थाना मधुबन, जनपद मऊ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में थाना मधुबन पर मु0अ0सं0 361/2026, धारा 137(2), 87 बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मुकदमा 20 सितंबर 2026 को शाम 4:21 बजे दर्ज हुआ। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक अभिषेक मिश्रा कर रहे हैं। पुलिस के मुताबिक किशोरी की बरामदगी के लिए संभावित स्थानों पर लगातार तलाश और दबिश दी जा रही है।

गो आश्रय स्थल की बदइंतजामी पर डीएम नाराज, तीन अधिकारियों को नोटिस

- ❋ कुड़वां गो आश्रय स्थल में सफाई और प्रबंधन व्यवस्था मिली खराब, ईयर टैगिंग में भी लापरवाही पर जताई नाराजगी
- ❋ बीडीओ, डिप्टी सीवीओ और सेक्रेटरी से मांगा जवाब, एनजीओ पर भी कार्रवाई के निर्देश

संवाददाता

मऊ। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने सोमवार को वृहद गो आश्रय स्थल कुड़वां का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान साफ-सफाई और प्रबंधन व्यवस्था खराब मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताई। भूसा एवं चारा स्टॉक पंजिका में उपलब्ध सामग्री का सही अंकन नहीं पाए जाने पर जिलाधिकारी ने खंड विकास अधिकारी, डिप्टी सीवीओ और संबंधित सेक्रेटरी को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण में कई पशुओं की ईयर टैगिंग भी नहीं मिली। जिलाधिकारी ने सभी पशुओं की शत-प्रतिशत ईयर टैगिंग तत्काल कराने को कहा। साथ ही गो आश्रय स्थल का संचालन कर रहे एनजीओ की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताते हुए नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को गोवंश के लिए पर्याप्त भूसा, चारा और स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ नियमित सफाई कराने को कहा। बीमार पशुओं का समय से चिकित्सकीय परीक्षण और उपचार कराने के भी निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने चेतावनी दी कि व्यवस्थाओं में तत्काल सुधार नहीं हुआ तो संबंधित सेक्रेटरी, बीडीओ और डिप्टी सीवीओ के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को गो आश्रय स्थल की नियमित निगरानी कर शासन के निर्देशों के अनुरूप गोवंश की देखभाल सुनिश्चित करने को कहा।

बच्चों के बीच पहुंचे डीएम, मेस में बैठकर चखा भोजन

– पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय महुआर का आकस्मिक निरीक्षण, हॉस्टल से लेकर रसोईघर तक व्यवस्थाओं का लिया जायजा

संवाददाता मऊ। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने सोमवार को पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय महुआर का आकस्मिक निरीक्षण किया। उन्होंने गर्ल्स-बॉयज हॉस्टल, कक्षाओं, मेस, रसोईघर समेत विद्यालय परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं को देखा और छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में परीक्षाएं चल रही थीं। परीक्षा के बाद डीएम ने विद्यार्थियों से बातचीत कर पढ़ाई, आवास, भोजन, पेयजल, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद मध्यान्ह भोजन के समय वह विद्यार्थियों के साथ मेस में बैठकर भोजन करने लगे। उन्होंने भोजन की गुणवत्ता और मेस की व्यवस्था का प्रत्यक्ष जायजा लिया।

डीएम ने रसोईघर का निरीक्षण करते हुए खाद्य सामग्री के रखरखाव और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय प्रशासन से कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ सुरक्षित, स्वच्छ और बेहतर आवासीय सुविधाएं मिलनी चाहिए। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने परिसर की क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत और गर्ल्स डायमेट्री में सीटों की संख्या बढ़ाने की मांग रखी। जिलाधिकारी ने दोनों मामलों में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं को नियमित रूप से दुरुस्त रखने और विद्यार्थियों की जरूरतों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

गांव-गांव पहुंचा सेवा संकल्प अभियान, योजनाओं की जानकारी के साथ पात्रों को मिला लाभ

संवाददाता

मऊ। सेवा संकल्प अभियान के तहत सोमवार को जिले के सभी विकास खंडों में बहुउद्देशीय कार्यक्रम और जन-जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। विभिन्न विभागों की ओर से लगाए गए स्टॉलों पर केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ पात्र लोगों को लाभ दिलाने की प्रक्रिया पूरी की गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन की प्रक्रिया और मिलने वाले लाभ के बारे में जानकारी दी। संबंधित विभागों की ओर से पात्र लाभार्थियों के आवेदन भी कराए गए और आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। अधिकारियों ने ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ लेने के साथ आसपास के पात्र लोगों को भी इसकी जानकारी देने के लिए प्रेरित किया।

शिविरों में ग्रामीणों की समस्याएं और शिकायतें भी सुनी गईं। संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के यथासंभव शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य सरकारी योजनाओं और सेवाओं को गांवों तक पहुंचाकर पात्र लोगों को लाभान्वित करना और उन्हें अपने अधिकारों व उपलब्ध सुविधाओं के

स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली पर 29 को अधिवक्ताओं का जागरूकता कार्यक्रम

संवाददाता मऊ। स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली और इसके माध्यम से त्वरित न्याय की प्रक्रिया से अधिवक्ताओं को परिचित कराने के लिए 29 सितंबर को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कार्यक्रम शाम 4:30 बजे सिविल कोर्ट सेंट्रल बार एसोसिएशन सभागार में होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन उच्च न्यायालय और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश पर किया जा रहा है। इसमें विशेष रूप से युवा अधिवक्ताओं को स्थायी लोक अदालत की कार्यप्रणाली, वैधानिक ढांचे और न्यायनिर्णयन शक्तियों की जानकारी दी जाएगी। स्थायी लोक अदालत के अध्यक्ष हीरालाल सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण, वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) की प्रक्रिया और स्थायी लोक अदालत में मामलों के प्रभावी उपयोग के बारे में जानकारी देंगे।

सचिव ने बताया कि स्थायी लोक अदालत आमजन को सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिवक्ताओं को इसकी प्रक्रिया से अवगत कराकर जरूरतमंद लोगों को इसका अधिक प्रभावी लाभ दिलाना है। उन्होंने संबंधित अधिवक्ताओं से समय से कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की।

अपहरण के मामले में बाल अपचारी पुलिस अभिरक्षा में, अपहृता बरामद

ंवाददाता

मऊ। नगर कोतवाली पुलिस ने अपहरण के मामले में वांछित एक बाल अपचारी को सोमवार को रोडवेज बस स्टाप के पास से पुलिस अभिरक्षा में लिया। साथ ही अपहृता को बरामद कर लिया गया। महिला पुलिसकर्मी की अभिरक्षा में अपहृता को लेकर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी नगर नितेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 269/2026, धारा 137(2) बीएनएस के तहत वांछित बाल अपचारी को सोमवार को रोडवेज बस स्टाप के पास से पुलिस अभिरक्षा में लिया।

सक्षिप्त खबरें...

मशरूम उत्पादन से रोजगार और आय बढ़ाने की पहल, पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

– उपकार के उप महानिदेशक ने किया उद्घाटन, वैज्ञानिक विधि से उत्पादन का दिया प्रशिक्षण

संवाददाता

मऊ। कृषि विज्ञान केंद्र, मऊ में सोमवार को पांच दिवसीय रोजगारपरक प्रशिक्षण कार्यक्रम 'बटन मशरूम उत्पादन द्वारा आय एवं रोजगार सृजन' का शुभारंभ हुआ। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) के उप महानिदेशक डॉ. परमेंद्र सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रशिक्षण का समन्वय केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. सुमित कुमार कर रहे हैं।

उद्घाटन अवसर पर डॉ. परमेंद्र सिंह ने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से बटन मशरूम उत्पादन सीखकर किसान और ग्रामीण युवा अपनी आय बढ़ा सकते हैं। इससे जनपद में मशरूम उत्पादन को भी बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. विनय सिंह ने मुख्य अतिथि और प्रशिक्षणार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि मशरूम उत्पादन कम लागत और सीमित स्थान में शुरू किया जा सकने वाला कृषि आधारित व्यवसाय है। इसे अपनाकर छोटे और सीमांत किसान अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बटन मशरूम उत्पादन की वैज्ञानिक तकनीक के साथ व्यावहारिक जानकारी भी दी जाएगी। प्रशिक्षण में उत्पादन की तैयारी, प्रबंधन और अन्य आवश्यक तकनीकों का अभ्यास कराया जाएगा। उद्घाटन सत्र के बाद उप महानिदेशक ने कृषि विज्ञान केंद्र परिसर की विभिन्न प्रक्षेत्र इकाइयों, प्रदर्शन प्लॉट और विकास परियोजनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र पर संचालित शोध, प्रसार एवं विकास कार्यों की समीक्षा की और वैज्ञानिकों व कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिक, कर्मचारी, किसान और ग्रामीण युवा मौजूद रहे।

एक ही महिला से दो बार हुई साइबर ठगी, पुलिस ने 8,027 रुपये कराए वापस

संवाददाता

घोसी। रिश्तेदार बनकर एक ही महिला से दो बार की गई साइबर ठगी के मामले में घोसी कोतवाली की साइबर सेल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 8,027 रुपये वापस करा दिए। पुलिस की कार्रवाई से पीड़िता को राहत मिली। मदापुर समसपुर निवासी शादकीन फातिमा के साथ साइबर ठगों ने रिश्तेदार बनकर रुपये भेजने के नाम पर दो अलग-अलग घटनाओं में ठगी की थी। पहली घटना में 5,599 रुपये की ठगी हुई। पीड़िता ने तीन जुलाई 2026 को साइबर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत संख्या 33107260156504 के आधार पर साइबर सेल ने कार्रवाई करते हुए ठगी की रकम होल्ड कराई। इसके बाद सोमवार को पीड़िता के खाते में 5,027 रुपये वापस कराए गए। दूसरी घटना में भी ठगों ने रिश्तेदार बनकर पीड़िता से 10,000 रुपये की ठगी की थी। इस मामले में शिकायत संख्या 33107260156520 के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने रकम होल्ड कराई और सोमवार को 3,000 रुपये पीड़िता के खाते में वापस कराए। इस तरह दोनों मामलों में कुल 8,027 रुपये वापस कराए गए।

पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर व अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी घोसी सत्येंद्र भूषण तिवारी और प्रभारी निरीक्षक रविंद्र नाथ राय के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। साइबर सेल के नोडल अधिकारी एसआई प्रकाश सिंह, सहायक नोडल अधिकारी दिनेश यादव, हेड ऑपरेटर अरविंद यादव तथा महिला आरक्षी पुष्पलता पांडेय व रूपा सिंह की टीम ने कार्रवाई की।

छात्रवृत्ति के आवेदन की तारीखें जारी, नवीनीकरण के लिए 15 अक्टूबर तक मौका

संवाददाता

मऊ। दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा 12 से ऊपर की कक्षाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति, शैक्षणिक भत्ता और शुल्क प्रतिपूर्ति की संशोधित समय-सारिणी जारी कर दी गई है। इसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, सामान्य, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक वर्ग के विद्यार्थी शामिल हैं।

जिला समाज कल्याण अधिकारी रश्मि मिश्रा ने बताया कि नवीनीकरण श्रेणी के विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन और हार्डकॉपी जमा करने की प्रक्रिया 15 सितंबर से 15 अक्टूबर तक चलेगी। शिक्षण संस्थानों को विद्यार्थियों का बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, प्राप्तांक, पूर्णांक और उपस्थिति दर्ज कर आवेदन का ऑनलाइन सत्यापन एवं अग्रसारण 25 अक्टूबर तक करना होगा। संदिग्ध या त्रुटिपूर्ण डाटा के सत्यापन और सुधार के लिए 21 नवंबर से 20 दिसंबर तक का समय निर्धारित किया गया है।

नए विद्यार्थियों के लिए पंजीकरण और ऑनलाइन आवेदन 15 सितंबर से 31 अक्टूबर तक किए जा सकेंगे। फाइनल प्रिंट 2 नवंबर तक, हार्डकॉपी व आवश्यक अभिलेख शिक्षण संस्थान में 4 नवंबर तक जमा होंगे। संस्थानों को आवेदनों का ऑनलाइन सत्यापन कर 10 नवंबर तक अग्रसारित करना होगा। संदिग्ध डाटा के सत्यापन की प्रक्रिया 6 से 31 दिसंबर तक चलेगी।

वहीं, नई शिक्षण संस्थाओं को मास्टर डाटा बेस में शामिल होने के लिए आवेदन और संबंधित प्रक्रिया पूरी कर जिला समाज कल्याण अधिकारी से पासवर्ड प्राप्त करने की अंतिम तिथि 26 सितंबर निर्धारित की गई है। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने मऊ के सभी दशमोत्तर शिक्षण संस्थानों के प्राचार्य और प्रधानाचार्यों को निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार सभी प्रक्रियाएं समय से पूरी कराने के निर्देश दिए हैं।

उन्नाव में 15 KM और लंबा होगा दोस्ती नगर बाईपास, गंगा बैराज तक पहुंचेगा मार्ग कानपुर-दिल्ली और लखनऊ का सफर होगा आसान

संवाददाता

उन्नाव। शहर के अंदर भारी वाहनों के बढ़ते दबाव को कम करने और आसपास के क्षेत्रों की कनेक्टिविटी बेहतर करने की दिशा में उन्नाव के लिए एक और बड़ी सड़क परियोजना प्रस्तावित की गई है। करीब आठ माह पहले शुरू हुआ दोस्ती नगर बाईपास अब अपने मौजूदा स्वरूप से आगे बढ़ाया जाएगा। लोक निर्माण विभाग ने इसकी तैयारी शुरू करते हुए सर्वे का काम पूरा कर लिया है। प्रस्तावित योजना के तहत बाईपास को करीब 15 किलोमीटर और आगे बढ़ाकर गंगा बैराज से जोड़ा जाएगा। 9.5 किलोमीटर के बाईपास का होगा विस्तार वर्तमान समय में दोस्ती नगर बाईपास की लंबाई करीब 9.5 किलोमीटर है। यह मार्ग दही तिराहे से शुरू होकर दोस्ती नगर स्थित अग्निशमन प्रशिक्षण केंद्र के पास तक जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य कानपुर-लखनऊ नेशनल हाईवे और उन्नाव-हरदोई स्टेट हाईवे से आने-जाने वाले भारी वाहनों को उन्नाव शहर के भीतर प्रवेश किए बिना बाहर से निकालना है। अब इसी बाईपास को आगे बढ़ाने की योजना बनाई गई है। प्रस्तावित विस्तार करीब 15 किलोमीटर का होगा। इसके पूरा होने के बाद दही तिराहे से गंगा बैराज तक बाईपास की कुल लंबाई लगभग 25 किलोमीटर हो जाएगी। गंगा बैराज से जोड़े जाने की तैयारी लोक निर्माण विभाग की ओर से तैयार किए गए एलाइनमेंट के मुताबिक मौजूदा दोस्ती नगर बाईपास को आगे बढ़ाकर ट्रांसगंगा सिटी के पास गंगा बैराज से जोड़ा जाना है। इसके लिए इंजीनियरों ने संभावित मार्ग का सर्वे कर एलाइनमेंट तैयार किया है। गंगा बैराज तक सीधा संपर्क मिलने से दोस्ती नगर बाईपास केवल उन्नाव शहर के बाहर से भारी वाहनों को निकालने वाला मार्ग नहीं रहेगा, बल्कि यह आसपास के प्रमुख मार्गों को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग के रूप में भी काम कर सकेगा। इससे ट्रांसगंगा क्षेत्र तक पहुंच आसान होने के साथ ही आगे कानपुर की दिशा में जाने वाले यातायात को भी नया मार्ग मिल सकेगा। 1.50 अरब रुपये की मांगी गई धनराशि बाईपास के विस्तार के लिए लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड ने करीब 1.50 अरब रुपये की धनराशि मांगी है। विभाग की ओर से सर्वे रिपोर्ट के साथ मार्ग का एलाइनमेंट, डिजाइन और नक्शा तैयार कर शासन को भेजा जा चुका है। अब परियोजना के लिए शासन स्तर से बजट और प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू होगी। फिलहाल विभाग की ओर से तकनीकी स्तर पर प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजने का काम पूरा किया जा चुका है। 4.2 किलोमीटर लंबे फोरलेन पुल से जुड़ेगा यातायात

इस प्रस्तावित बाईपास की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी गंगा बैराज के पास बनने वाला 4.2 किलोमीटर लंबा फोरलेन पुल होगा। दी गई जानकारी के अनुसार इस पुल के निर्माण की लागत करीब 799 करोड़ रुपये है। दोस्ती नगर बाईपास के विस्तार के बाद इस मार्ग से आने वाला यातायात ट्रांसगंगा क्षेत्र तक पहुंच सकेगा और आगे फोरलेन पुल के रास्ते दूसरी दिशा में जा सकेगा। इससे कानपुर और अन्य प्रमुख शहरों की ओर जाने वाले वाहनों को वैकल्पिक कनेक्टिविटी मिलने की योजना है।

कानपुर और दिल्ली जाने वाले वाहनों को मिलेगा वैकल्पिक मार्ग

बाईपास के गंगा बैराज से जुड़ने और आगे फोरलेन पुल की कनेक्टिविटी मिलने के बाद कानपुर की ओर जाने वाले यातायात को नया रास्ता मिलेगा। इसी मार्ग के जरिए आगे दिल्ली और प्रयागराज जैसे प्रमुख शहरों की दिशा में जाने वाले वाहनों को भी कनेक्टिविटी उपलब्ध होने की बात विभागीय योजना में कही गई है। इसका एक प्रमुख फायदा यह होगा कि भारी वाहनों को उन्नाव शहर के व्यस्त हिस्सों से गुजरने की जरूरत कम हो सकती है। इससे शहर के अंदर यातायात का दबाव कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। लखनऊ और हरदोई जाने वाले यातायात को भी फायदा

दोस्ती नगर बाईपास का मौजूदा और प्रस्तावित विस्तार केवल कानपुर की ओर जाने वाले यातायात के लिए ही महत्वपूर्ण नहीं है। उन्नाव-हरदोई स्टेट हाईवे और लखनऊ की दिशा से आने-जाने वाले वाहनों को भी इससे फायदा मिलने की संभावना है।

बाईपास के विस्तार से अलग-अलग दिशाओं से आने वाले यातायात को शहर के बाहरी हिस्से में ही वैकल्पिक मार्ग मिल सकेगा। इससे स्थानीय यातायात और लंबी दूरी के यातायात को अलग-अलग रखने में मदद मिल सकती है। करीब 12 लाख आबादी को मिलने की उम्मीद है राहत

प्रस्तावित बाईपास का विस्तार सिकंदरपुर सरोसी ब्लॉक क्षेत्र के कई गांवों के आसपास से होकर जाएगा। विभाग के अनुसार, इससे क्षेत्र की करीब 12 लाख आबादी को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है। ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क बेहतर होने से लोगों को मुख्य मार्गों तक पहुंचने में कम समय लग सकता है। इसके अलावा बाजार, औद्योगिक क्षेत्र और रोजगार से जुड़े स्थानों तक आवागमन आसान होने की संभावना है। सड़क बनने से रोजगार की संभावनाओं पर भी असर

किसी क्षेत्र में नई सड़क और बेहतर कनेक्टिविटी बनने से केवल आवागमन ही प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसके आसपास आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ सकती हैं। प्रस्तावित बाईपास के मामले में भी आसपास के गांवों में कारोबार और परिवहन से जुड़ी गतिविधियों के विस्तार की संभावना जताई जा रही है। हालांकि रोजगार या स्थानीय कारोबार पर वास्तविक प्रभाव परियोजना के निर्माण, संचालन और आसपास होने वाले विकास पर निर्भर करेगा। फिलहाल विभाग की ओर से इसे क्षेत्र के लिए बेहतर कनेक्टिविटी वाली परियोजना के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है। इन गांवों को मिलेगा सीधा फायदा प्रस्तावित एलाइनमेंट की जद में आने वाले गांवों में लोहरखेड़ा, बरवट, राजेपुर, पतारी, सरोसी, पंडितखेड़ा, देवारा कला, पिपरी और शंकरपुर समेत आसपास के अन्य गांव शामिल बताए गए हैं। इन गांवों के लोगों को मुख्य मार्गों तक पहुंचने के लिए बेहतर सड़क संपर्क मिलने की उम्मीद है। बाईपास बनने के बाद स्थानीय लोगों के लिए आसपास के बाजारों, कस्बों और प्रमुख राजमार्गों तक पहुंच आसान हो सकती है।

शासन को भेजा गया प्रस्ताव, अब बजट स्वीकृति का इंतजार

लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड ने दोस्ती नगर बाईपास के विस्तार का सर्वे पूरा करने के बाद एलाइनमेंट, डिजाइन और नक्शे के साथ प्रस्ताव शासन को भेज दिया है। विभाग ने परियोजना के लिए करीब 1.50 अरब रुपये की धनराशि मांगी है।

अब परियोजना की अगली स्थिति शासन से मिलने वाली स्वीकृति और बजट पर निर्भर करेगी। स्वीकृति मिलने के बाद आगे की प्रशासनिक और निर्माण संबंधी प्रक्रिया शुरू हो सकेगी। लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड के एक्सईएन हरदयाल अहरिवार के अनुसार, दोस्ती नगर बाईपास के विस्तार के लिए सर्वे पूरा कर लिया गया है। एलाइनमेंट तैयार करके प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है

झऔर विस्तार के लिए करीब 1.50 अरब रुपये की मांग की गई है।

बाढ़ से कटी सड़क पर पलटा दूध से लदा ऑटो, चार कुंतल दूध बहा

संवाददाता

परियर (उन्नाव)। सदर तहसील क्षेत्र में बाढ़ के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कें ग्रामीणों के लिए मुसीबत बनी हुई हैं। सोमवार सुबह मरौंदा सूचित के पनपथा गांव के पास बाढ़ के पानी से कटी सड़क पार करते समय दूध से लदा ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चालक रोहित ग्रामीणों की मदद से बाल-बाल बच गया, जबकि ऑटो में लदा करीब चार कुंतल दूध पानी में बहकर बर्बाद हो गया। इससे दूध डेयरी संचालक को हजारों रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

पनपथा गांव निवासी दीपक निषाद दूध डेयरी का काम करते हैं। सोमवार सुबह वह गांव के किसानों से दूध एकत्र कर ऑटो से बिक्री के लिए कानपुर जा रहे थे। पनपथा गांव के पास बाढ़ के चलते सड़क का एक हिस्सा कट गया था। चालक रोहित क्षतिग्रस्त हिस्से से ऑटो निकालने का प्रयास कर रहा था, तभी वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया।

ऑटो में दूध के करीब दस पीपे लदे थे, जिनमें लगभग चार कुंतल दूध बताया गया है। ऑटो पलटते ही दूध सड़क किनारे भरे बाढ़ के पानी में बह गया। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने चालक को सुरक्षित बाहर निकाला।

ग्रामीणों ने बताया कि बाढ़ के कारण क्षेत्र में कई स्थानों पर सड़कें कट गई हैं। क्षतिग्रस्त हिस्सों की समय से मरम्मत नहीं होने के कारण आए दिन हादसे का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने मांग की कि स्थायी मरम्मत होने तक कटे हिस्सों और गड्ढों में मिट्टी व मलबा डलवाकर रास्ते को आवागमन योग्य कराया जाए।

क्क्षुष्ठ के अधिशासी अभियंता हरदयाल अहिरवार ने बताया कि एक-दो दिन में मिट्टी भरवाकर रास्ते को दुरुस्त करा दिया जाएगा।

मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर नर्वदेश्वर विधि महाविद्यालय का महत्वपूर्ण समझौता

संवाददाता

लखनऊ। नर्वदेश्वर विधि महाविद्यालय में सोमवार को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामुदायिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नर्वदेश्वर विधि महाविद्यालय, मानसिक शक्ति फाउंडेशन तथा फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट के बीच समझौता ज्ञापन हुआ। समझौते के तहत विद्यार्थियों की मानसिक भलाई, मनोवैज्ञानिक मूल्यांकन, परामर्श के प्रति जागरूकता, अवसाद प्रबंधन और आत्महत्या की रोकथाम से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही शैक्षणिक, शोध एवं सामुदायिक जागरूकता गतिविधियों में भी तीनों संस्थाएं मिलकर कार्य करेंगी।

मानसिक शक्ति फाउंडेशन मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, मनोवैज्ञानिक कल्याण, परामर्श और समुदाय को कठिन परिस्थितियों से उबरने में सक्षम बनाने के क्षेत्र में कार्य करता है। वहीं फ्रीडम फ्रॉम पॉवर्टी ट्रस्ट स्वास्थ्य सेवाओं, जनस्वास्थ्य जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य, अवसाद एवं आत्महत्या रोकथाम तथा सामुदायिक सशक्तिकरण के क्षेत्र में कार्यरत है।

कार्यक्रम में कनाडा से डॉ. अमरेश श्रीवास्तव, डॉ. हेमंत दीक्षित, डॉ. दीप्ति मणि त्रिपाठी, डॉ. वी.के. शुक्ला, सहायक कुलसचिव नवनीत सिंह सहित वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के महाविद्यालय परिसर के प्रोफेसर उपस्थित रहे। वक्ताओं ने मानसिक स्वास्थ्य को विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यक्तिगत विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए जागरूकता कार्यक्रमों को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

पत्रकार के घर के नीचे कथित गाली-गलौज और धमकी का वीडियो वायरल, निष्पक्ष जांच की मांग?

संवाददाता

शुक्लागंज (उन्नाव)। पत्रकार नफीस खान के घर के नीचे कथित रूप से पहुंचकर गाली-गलौज और धमकी दिए जाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का दावा किया जा रहा है। मामले में पत्रकार नफीस खान ने पुलिस अधीक्षक उन्नाव को लिखित शिकायत देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार, 19 सितंबर 2026 की रात करीब 10 से 11 बजे कथित पत्रकार तकी हैदर अपने कुछ साथियों के साथ नफीस खान के घर के नीचे पहुंचा। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि वहां से गाली-गलौज करते हुए नफीस खान को नीचे बुलाने का प्रयास किया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, घटना के समय वह घर में सो रहे थे और बाद में मकान मालकिन ने उन्हें घटना की जानकारी दी।

नफीस खान का आरोप है कि इसके बाद उन्होंने तकी हैदर की मां से भी घटना को लेकर शिकायत की। वहीं, 20 सितंबर 2026 की रात कथित रूप से तकी हैदर ने फोन कर मिलने के लिए कहा। शिकायतकर्ता के अनुसार, मिलने से इनकार करने के बाद रात करीब 10 से 11 बजे फिर कुछ लोग उनके घर के नीचे पहुंचे और कथित तौर पर गाली-गलौज तथा धमकी दी।

शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जब नफीस खान की पत्नी ने नीचे से चले जाने और पुलिस की डायल-112 सेवा को सूचना देने की बात कही, तो कथित रूप से पुलिस और मीडिया में अपनी पहुंच होने की बात कही गई तथा धमकी दी गई।

इस पूरे घटनाक्रम से संबंधित एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का दावा किया जा रहा है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि और उसमें दिखाई दे रहे व्यक्तियों की पहचान की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

नफीस खान ने अपने शिकायती प्रार्थना पत्र में तकी हैदर तथा उसके बताए गए साथियों कासिम, ओसामा और दीपक के संबंध में भी जांच की मांग की है। उन्होंने पूर्व में उनके साथ कथित मारपीट तथा घर में जबरन प्रवेश और उनकी पत्नी के साथ कथित अभद्रता से संबंधित घटनाओं का भी उल्लेख किया है।

मामले को लेकर पत्रकार नफीस खान ने जर्नलिस्ट प्रेस एसोसिएशन के प्रबंधक हरिओम गुप्ता, सब प्रबंधक उमेश त्रिवेदी तथा संबंधित अधिकारियों से वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर निष्पक्ष जांच कराने और यदि आरोप सही पाए जाएं तो नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है। पत्रकार नफीस खान का कहना है कि पत्रकारिता का उद्देश्य किसी व्यक्ति के घर जाकर गाली-गलौज या धमकी देना नहीं, बल्कि जनसमस्याओं, भ्रष्टाचार और अपराध से जुड़े मामलों को तथ्यात्मक रूप से प्रशासन एवं सरकार के सामने रखना है।

मामले में पुलिस का आधिकारिक पक्ष और जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हसनगंज कोतवाली क्षेत्र में वाहन चोरी से दहशत, तीन दिनों में पांच बाइक चोरी का दावा

संवाददाता उन्नाव। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र में लगातार हो रही वाहन चोरियों से लोगों में चिंता बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक पिछले तीन दिनों में करीब पांच दोपहिया वाहनों के चोरी होने के मामले सामने आए हैं। इसी बीच एक और बाइक चोरी की शिकायत कोतवाली पहुंची है।

प्रार्थना पत्र के अनुसार ग्राम बिरची पोस्ट रुपऊ, जनपद उन्नाव निवासी सचिन यादव 20 सितंबर 2026 को हसनगंज के हसेवा नरसिंह बाबा के मेले में गए

2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सर्वजन हित पार्टी ने जारी किया 13 सूत्रीय संकल्प पत्र

संवाददाता

लखनऊ। अखिल भारतीय सर्वजन हित पार्टी ने 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर 13 सूत्रीय संकल्प पत्र जारी किया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. श्याम नारायण चौबे ने 21 सितंबर को प्रेस क्लब लखनऊ में आयोजित प्रेस वार्ता में पार्टी के प्रस्तावित कार्यक्रमों की जानकारी दी। पार्टी के संकल्प पत्र में गो माता को राष्ट्र माता घोषित करने, यूजीसी की एक नई धारा को वापस लेने तथा कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग शामिल है। इसके अलावा पार्टी ने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने और निजी स्कूलों में फीस वृद्धि पर नियंत्रण के साथ सरकारी किताबें एवं एनसीईआरटी की पुस्तकें शत-प्रतिशत लागू करने की बात कही है।

संकल्प पत्र में कक्षा एक से 12 तक सभी वर्गों के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा, उत्तर प्रदेश में बंद चीनी मिलों, सूती मिलों, कारखानों एवं स्टील फैक्ट्रियों को दोबारा शुरू करने तथा किसान आयोग और सवर्ण आयोग के गठन का प्रस्ताव रखा गया है। पार्टी ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में घरेलू बिजली की 350 यूनिट तक खपत पर छूट देने, गन्ना, आलू व केला किसानों को फसल का उचित मूल्य दिलाने तथा खाद-बीज समय पर उपलब्ध कराने की बात कही है। किसानों की फसलों के लिए सुरक्षा बीमा लागू करने का भी प्रस्ताव है। इसके साथ ही सरकारी विभागों में रिक्त पदों पर भर्ती तथा भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और उत्तर प्रदेश के नागरिकों को एक लाख से पांच लाख रुपये तक का निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा उपलब्ध कराने की बात संकल्प पत्र में कही गई है। पार्टी ने महिला सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए कानून-व्यवस्था को मजबूत करने का प्रस्ताव भी रखा है। प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष दीपक पाण्डेय, राष्ट्रीय महासचिव मृत्युंजय चौबे, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीराम तिवारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा रागिनी अवस्थी, प्रदेश सचिव रामजी राव, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश सिंह सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं

सेवा संकल्प यात्रा का सदर विधानसभा में जगह-जगह हुआ भव्य स्वागत, घोड़ों, ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और पुष्प वर्षा से हुआ अभिनंदन

संवाददाता उन्नाव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों की सेवा यात्रा को समर्पित ÷सेवा संकल्प अभियान÷ के अंतर्गत वाराणसी से वडनगर तक निकाली जा रही सेवा संकल्प यात्रा का सदर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचने पर विभिन्न स्थानों पर स्वागत किया गया।

सदर विधायक पंकज गुप्ता के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने बाईपास स्टेडियम से परियर स्थित बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर तक यात्रा का घोड़ों, ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी, पुष्पवर्षा एवं फूल-मालाओं के साथ अभिनंदन किया। बाईपास स्टेडियम पर शंखनाद के साथ स्वागत एवं स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शास्त्री पार्क, बस स्टॉप, बड़ा चौराहा, छोटा चौराहा, गांधी नगर तिराहा, शेखपुर नहर, करोवन मोड़, सरोसी, करोवन बाजार और हाजीपुर सहित विभिन्न स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम हुए। इस दौरान निराश्रित लोगों को भोजन, प्रबुद्धजनों, दिव्यांग जनों, गौसेवकों, सफाईकर्मियों एवं किसानों का सम्मान, बच्चों को उपहार, विद्यार्थियों को पुस्तक वितरण तथा वृक्षारोपण जैसे सेवा कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। परियर पहुंचने पर बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर में पूजन-अर्चन किया गया। इसके बाद शिक्षकों का सम्मान करते हुए यात्रा को आगे के लिए रवाना किया गया। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि सेवा संकल्प यात्रा को सेवा, सामाजिक सहभागिता और जनकल्याण की गतिविधियों से जोड़ा गया है। उन्होंने यात्रा के स्वागत में शामिल कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, जिला महामंत्री मनीष जायसवाल, नवाबगंज चेयरमैन दिलीप लश्करी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बालाराव गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष नवीन सिंह, जिला महामंत्री उदय प्रताप सिंह, धीरज सिंह, प्रमोद सिंह पवन, प्रदीप सिंह, प्रीति सिंह, सुरेंद्र जायसवाल, नीरज शुक्ला, यात्रा प्रभारी दिव्यांश सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

हादसों में घायलों की जान बचाने वाले पीआरवी कर्मियों को मिला सम्मान

संवाददाता

उन्नाव। एसएसपी जय प्रकाश सिंह ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर उत्साहवर्धन किया। अचलगंज के दुर्गा खेड़ा मोड़ पर कार डंपर से टकराने के बाद दुर्घटना हुई थी।

कार के इंजन में आग लगने के बीच तीन घायल अंदर फंसे थे। पीआरवी-6119 टीम ने शीशा तोड़कर तीनों घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला।

हाईवे एंबुलेंस से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। अजगैन के नवाबगंज दुर्गा मंदिर के पास भी सड़क हादसे में कई लोग हुए थे घायल।

पीआरवी-9392 टीम ने दो बच्चियों समेत चार घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

एएसपी उत्तरी अखिलेश सिंह ने भी पीआरवी कर्मियों की तत्परता की सराहना की।

पुलिस अधिकारियों ने कर्मियों को कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सक्षिप्त खबरें...

सेवा यात्रा का परियर में बाबा बलखंडेस्वर समिति के अध्यक्ष ने किया भव्य स्वागत, बुलडोजर से हुई पुष्पवर्षा

संवाददाता

परियर (उन्नाव)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान–जन सेवा से राष्ट्र सेवा' के तहत सेवा के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में निकली वाराणसी-वडनगर सेवा यात्रा का सोमवार को परियर में भव्य स्वागत किया गया। सेवा यात्रा के परियर पहुंचने पर बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर विकास सेवा समिति के अध्यक्ष रविशंकर मिश्रा ने सैकड़ों युवकों के साथ यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत किया। इस दौरान 4 बुलडोजर से पुष्प वर्षा कर यात्रा का अभिनंदन किया गया। पुष्प वर्षा होते ही मौजूद लोगों में उत्साह का माहौल बन गया।

इसके बाद सदर विधायक पंकज गुप्ता ने बाबा बलखंडेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। यात्रा के स्वागत में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। इस मौके पर मरौंदा प्रधान प्रतिनिधि आलोक तिवारी, अभय मिश्रा,कौशल किशोर,आजाद,प्रेम,शुभम,देवी प्रसाद,क्रांति, मोनू, राम भजन सहित अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र में काफी भीड़ रही।

सात प्रतिष्ठानों में अभियान चला कर आठ बाल एवं किशोर श्रमिकों को किया गया चिन्हित

संवाददाता

उन्नाव। सहायक श्रमायुक्त एस0 एन0 नागेश ने बताया हैं कि प्रदेश को वर्ष 2027 तक बाल श्रम मुक्त कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित है। उक्त के कम में जनपद उन्नाव में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 यथा संशोधित-2016 एवं किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख एवं संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अन्तर्गत बाल एवं किशोर श्रमिकों के चिन्हांकन, अवमुक्तिकरण , सड़कों पर रहने वाले/बेघर बच्चों के बचाव एवं पुनर्वासन हेतु विशेष अभियान एवं जिलाधिकारी , उन्नाव द्वारा दिये गये निर्देशों के कम में गठित टास्क फोर्स के साथ जनपद उन्नाव के तहसील पुरवा (कालू खेड़ा) एवं नवाबगंज में राधेश्याम सिंह, इन्दीवर जोशी एवं राजेन्द्र कुमार, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, उन्नाव, शैलेश कुमार यादव एवं दसरथ राम सिसौदिया, सब इन्स्पेक्टर, महिला आरक्षी अमना तथा चाइल्ड हेल्पलाइन से प्रभारी दिवाकर ओझा द्वारा संयुक्त रूप से अभियान चलाकर 07 प्रतिष्ठानों का बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत निरीक्षण करते हुए 08 बाल एवं किशोर श्रमिकों का चिन्हांकन किया गया। उल्लंघनकर्ता सेवायोजकों के विरूद्ध मौके पर ही निरीक्षण टिप्पणी जारी की गयी तथा नियमानुसार विधिक कार्यवाही अपनायी जायेगी। जनपद में संचालित समस्त प्रतिष्ठानों / दुकानों के सेवायोजकों से अपील है कि जनपद को बाल श्रम मुक्त बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।

उर्रा में सड़क बनी तालाब, जलभराव से ग्रामीण और स्कूली बच्चे परेशान

संवाददाता मिहींपुरवा बहराइच। विकासखंड मिहींपुरवा अंतर्गत ग्राम पंचायत उर्रा में विकास कार्यों की स्थिति को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। गांव में बुद्धि लाल मौर्य की दुकान से अनवर की दुकान के बीच जाने वाली सड़क पर गंदा पानी भरा होने के कारण मार्ग तालाब में तब्दील हो गया है। जलभराव के बीच से होकर संविलियन विद्यालय, गायत्री शिशु मंदिर तथा राजकीय विद्यालय जाने वाले छात्र-छात्राओं के साथ ही आम नागरिकों को आवागमन करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के बाद सड़क पर जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई है। स्कूली बच्चों को मजबूरी में गंदे पानी से होकर विद्यालय जाना पड़ रहा है, जिससे उनके कपड़े खराब होने के साथ ही फिसलने और संक्रमण का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण समस्या लगातार बनी हुई है। ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि गांव की मूलभूत समस्याओं के समाधान की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान विकास कार्यों के बजाय धन उगाही में लगे रहते हैं और विकास कार्यों से उनका कोई सरोकार नहीं है। ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान के पूरे पंचवर्षीय कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों एवं सरकारी धन के खर्च की निष्पक्ष जांच कराए जाने तथा अनियमितता पाए जाने पर दोषियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर सड़क से जलभराव हटवाने, जलनिकासी की समुचित व्यवस्था कराने तथा समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। इस संबंध में जब ग्राम विकास अधिकारी से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया, जिससे विभागीय स्तर पर जिम्मेदारों का पक्ष प्राप्त नहीं हो सका। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे उच्चाधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग करेंगे। फिलहाल ग्राम पंचायत उर्रा में सड़क पर भरे गंदे पानी के कारण ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा ग्रामीणों में ग्राम प्रधान एवं जिम्मेदार अधिकारियों के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

विज्ञान एवं गणित मेले में बच्चों ने दिखाई वैज्ञानिक प्रतिभा

संवाददाता

बहराइच 21 सितंबर। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, माधवपुरी में शनिवार को संकुल स्तरीय विज्ञान एवं गणित मेले का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि विनय सक्सेना, प्राचार्य केडीसी बहराइच सहित अन्य अतिथियों ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं पुष्पार्चन कर किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य विजय बहादुर सिंह ने अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। अतिथियों का परिचय एवं कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र कुमार मिश्र ने किया, जबकि संकुल विज्ञान प्रमुख जितेंद्र बाजपेई ने मेले की विभिन्न गतिविधियों एवं उद्देश्यों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि विनय सक्सेना ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि संसार में ऐसा कोई पद अथवा सफलता नहीं है, जिसे प्राप्त न किया जा सके। इसके लिए लक्ष्य निर्धारित कर अनुशासन और निरंतर परिश्रम के साथ तैयारी करना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच एवं रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। मेले में शिशु, बाल, किशोर एवं तरुण वर्ग के 166 भैया-बहनों ने प्रतिभाग किया। विद्यार्थियों ने प्रदर्श, प्रयोग, प्रश्नमंच, सांस्कृतिक कार्यक्रम, मूर्तिकला, आशुभाषण एवं वैदिक गणित सहित विभिन्न विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। विभिन्न विधाओं के निर्णायक नंदकिशोर शुक्ला, चंद्र प्रकाश शुक्ला, आलोक शर्मा, सिद्धनाथ पाठक, पंकज पांडेय, कृतिका मिश्रा, उमेश पांडेय, नेहा चौधरी, शिप्रा, अभय प्रताप एवं शिवनाथ मौर्य ने प्रतिभागियों के प्रदर्श एवं प्रस्तुतियों का गहन निरीक्षण कर परिणाम घोषित किए। इस अवसर पर राम नारायण पांडेय, राज किशोर, ओम पाल सिंह, अनूप श्रीवास्तव, भूपेंद्र सिंह, बाल मुकुंद तिवारी, आशीष सक्सेना, हरि ओम वर्मा, दीन दयाल पाठक, मंजू निगम, अनूप गुप्ता, आलोक श्रीवास्तव, राजेंद्र प्रसाद मिश्र, करुणानंद, दिनेश त्रिपाठी, नीरज शुक्ला, संजीव यादव, सोनम तिवारी, योगेश रमन पाठक, दुर्गेश मिश्रा, सत्यम बाजपेई, लक्ष्मी पाण्डेय, पवन सिंह, स्वाती, लक्ष्मी त्रिपाठी, कौशल त्रिपाठी, वेद मिश्र, अविनाश सिंह, सावित्री, विजय अवस्थी, अभिषेक सिंघानिया, रीना श्रीवास्तव, अजय गांधी, शिव शरण पाण्डेय, राज कुमार सहित विद्यालय के आचार्य-आचार्याएं एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 21 सितंबर।

पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में ÷मिशन शक्ति 5.0÷ अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत जनपद के सभी थानों पर गठित मिशन शक्ति टीमों द्वारा विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। महिला पुलिस कर्मियों ने प्रमुख बाजारों, कस्बों, चौराहों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर भ्रमण कर महिलाओं एवं बालिकाओं को उनकी सुरक्षा, अधिकारों, सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक किया। इस दौरान महिलाओं को शासन एवं पुलिस विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं तथा सुविधाओं की जानकारी दी गई। मिशन शक्ति टीमों ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पीएम स्वनिधि योजना, पीएम किसान सम्मान निधि, वन स्टॉप सेंटर, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना एवं मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना सहित अन्य योजनाओं के बारे में बताया। इसके साथ ही महिलाओं को किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108, महिला हेल्पलाइन 181 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 के बारे में जानकारी दी गई। पुलिस कर्मियों ने 112 इमरजेंसी कॉल एवं पैनिक बटन के प्रयोग का मोबाइल पर डेमो भी दिखाया। जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति टीमों ने महिलाओं एवं बालिकाओं को शासन की योजनाओं का लाभ लेने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना संकोच संबंधित हेल्पलाइन अथवा पुलिस से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया। महिलाओं को योजनाओं एवं हेल्पलाइन नंबरों से संबंधित पंपलेट भी वितरित किए गए।

सुजौली पुलिस ने शातिर अपराधी को किया गिरफ्तार, आपराधिक इतिहास में दर्ज हैं कई मुकदमे

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 21 सितंबर। सुजौली थाना पुलिस ने अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रंजीत मौर्य उर्फ मनीराम के रूप में हुई है। पुलिस अभिलेखों के मुताबिक अभियुक्त के विरुद्ध बहराइच, लखनऊ सहित विभिन्न थानों में चोरी, धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, शस्त्र अधिनियम, एनडीपीएस एक्ट समेत कई गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। उसके आपराधिक इतिहास में थाना खैरीघाट जनपद बहराइच में मुकदमा संख्या 782/2022 धारा 366 भादवि, थाना गोसाईंगंज लखनऊ में मुकदमा संख्या 003/2023 धारा 380, 411, 457 भादवि, थाना गोमतीनगर विस्तार लखनऊ में मुकदमा संख्या 285/2022 धारा 380, 411, 457 भादवि तथा मुकदमा संख्या 236/2024 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस शामिल हैं। इसके अलावा थाना रुपईडीहा बहराइच में मुकदमा संख्या 628/2012 धारा 21, 8 स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, थाना हरदी में मुकदमा संख्या 0045/21 धारा 419, 420 भादवि व 66डी आईटी एक्ट, थाना नानपारा में मुकदमा संख्या 381/20 धारा 366/376 भादवि तथा मुकदमा संख्या 98/21 धारा 3/25 आयुध अधिनियम दर्ज है। थाना चिनहट जनपद लखनऊ में भी मुकदमा संख्या 120/121 धारा 380/411/457 भादवि तथा थाना विभूतिखंड में

नाबालिग से यौन अपराध के अभियुक्त को 20 वर्ष का कठोर कारावास, ?54 हजार अर्थदंड

संवाददाता

बहराइच । ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत चिन्हित अभियोगों में प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप नाबालिग से यौन अपराध के मामले में दोषसिद्ध अभियुक्त आलोक पुत्र श्रीकान्त चौहान निवासी ऊचवा पुरैनी थाना दरगाह शरीफ को न्यायालय ने 20 वर्ष के कठोर कारावास एवं कुल ?54 हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। अभियोजन के अनुसार वादी ने थाना दरगाह शरीफ में सूचना दी थी कि उसकी 15 वर्षीय बहन को बहला-फुसलाकर उसके साथ जबरन गलत कृत्य किया जाता था तथा किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी जाती थी। इस संबंध में थाना दरगाह शरीफ में मुकदमा अपराध संख्या 181/2022 के तहत धारा 376, 506 व 120बी भादवि में मुकदमा दर्ज किया गया था। तत्कालीन विवेचक उपनिरीक्षक राजेश्वर सिंह ने साक्ष्य संकलन, गवाहों के बयान एवं विवेचनात्मक कार्रवाई पूरी करने के बाद अभियुक्त आलोक के विरुद्ध धारा 376, 504, 506 भादवि तथा धारा 5(जे)(द्वद्व)/6 पॉक्सो एक्ट में आरोप-पत्र 26 जुलाई 2022 को न्यायालय में प्रेषित किया। घटना के समय अभियुक्त के बालक होने के कारण उसका प्रकरण किशोर न्याय बोर्ड को भेजा गया। किशोर न्याय बोर्ड ने अपराध को जघन्य श्रेणी का मानते हुए प्रारंभिक मूल्यांकन के बाद 3 सितंबर 2024 को प्रकरण बाल न्यायालय को संदर्भित किया। न्यायालय ने उपलब्ध साक्ष्यों एवं मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए अभियुक्त को दोषसिद्ध किया। 21 सितंबर 2026 को न्यायालय द्वारा पॉक्सो एक्ट की धारा 6 के तहत 20 वर्ष का कठोर कारावास एवं ?50 हजार अर्थदंड, अर्थदंड न देने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास, धारा 504 भादवि में दो वर्ष का कारावास एवं ?2 हजार अर्थदंड तथा धारा 506 भादवि में तीन वर्ष का कारावास एवं ?2 हजार अर्थदंड की सजा सुनाई गई। दोनों धाराओं में अर्थदंड न देने पर एक-एक माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। पुलिस के अनुसार अभियुक्त घटना के समय बालक था, इसलिए सजा का निष्पादन किशोर न्याय अधिनियम-2015 के लागू प्रावधानों के अधीन होगा। पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत थाना दरगाह शरीफ पुलिस, मॉनीटरिंग सेल, जिला शासकीय अधिवक्ता श्री संत प्रताप सिंह, श्री संतोष कुमार सिंह, कोर्ट मोहर्रिर कांस्टेबल बृजेश कुमार साहनी तथा थाना पैरोकार कांस्टेबल महेन्द्र सोनकर की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप यह दोषसिद्धि हुई।

अपराध समीक्षा बैठक में कानून-व्यवस्था मजबूत करने पर जोर, उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मी सम्मानित

संवाददाता

बहराइच 21 सितंबर। पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सोमवार को रिजर्व पुलिस

लाइन स्थित सभागार में मासिक अपराध समीक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक एवं थानाध्यक्ष, प्रतिसार निरीक्षक तथा विभिन्न शाखाओं और इकाइयों के प्रभारी मौजूद रहे। गोष्ठी में पुलिस अधीक्षक ने जनपद की कानून-व्यवस्था एवं अपराध की स्थिति की विस्तृत समीक्षा करते हुए अपराध नियंत्रण, प्रभावी गश्त और पुलिसिंग व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने थानों पर आने वाले पीड़ितों एवं शिकायतकर्ताओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करते हुए उनकी शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए महिला अपराध, पॉक्सो एक्ट, एससी/एसटी एक्ट एवं गंभीर अपराधों से संबंधित मामलों का गुण-दोष के आधार पर शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी, अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी निरोधात्मक कार्रवाई तथा आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखने पर जोर दिया गया। चोरी, लूट, नकबजनी, अवैध शस्त्र, मादक पदार्थों की तस्करी, पशु तस्करी, अवैध खनन एवं संगठित अपराधों में संलिप्त लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। रात्रि गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग तथा संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की प्रभावी उपस्थिति बनाए रखने को कहा गया। थाना स्तर पर जनसुनवाई, आईजीआरएस एवं अन्य प्रार्थना-पत्रों के समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण तथा शिकायतकर्ताओं के असंतुष्ट फीडबैक को न्यूनतम करने के निर्देश भी दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने डिजिटल पुलिसिंग की समीक्षा करते हुए यक्ष एप, ई-सम्मन, ई-साक्ष्य, सीसीटीएनएस, सीएम डैशबोर्ड, सिटिजन सर्विसेज सहित अन्य तकनीकी पोर्टलों का प्रभावी एवं समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करने तथा लंबित कार्यों का शीघ्र निस्तारण कर रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए जनजागरूकता बढ़ाने तथा साइबर हेल्पलाइन और तकनीकी संसाधनों के प्रभावी इस्तेमाल पर भी बल दिया गया। कम्युनिटी पुलिसिंग को मजबूत बनाने के लिए ग्राम प्रधानों, ग्राम प्रहरियों, संभ्रांत नागरिकों, पुलिस मित्रों एवं जनप्रतिनिधियों से निरंतर संवाद बनाए रखने तथा वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, बच्चों, दिव्यांगजनों एवं जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए गए। आगामी गणेश विसर्जन, अनंत चतुर्दशी, पितृपक्ष, गांधी जयंती, शारदीय नवरात्रि एवं विजयादशमी के मद्देनजर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। संवेदनशील एवं धार्मिक स्थलों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, नियमित रूट मार्च एवं फ्लैग मार्च कराने, पीस कमेटी की बैठकें आयोजित करने तथा आयोजकों, धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों से लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए। धार्मिक जुलूसों एवं कार्यक्रमों के निर्धारित मार्गों का पूर्व निरीक्षण कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल लगाने को कहा गया। सोशल मीडिया पर अफवाह, भ्रामक सूचना एवं आपत्तिजनक सामग्री प्रसारित करने वालों के विरुद्ध त्वरित वैधानिक कार्रवाई तथा बिना पुष्टि किसी सूचना को प्रसारित न करने के लिए आमजन को जागरूक करने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने, प्रमुख बाजारों, धार्मिक स्थलों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में प्रभावी पुलिसिंग करने और नियमविरुद्ध वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। डायल-112 के पीआरवी वाहनों के रूट एवं पेट्रोलिंग व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उनकी प्रभावशीलता बढ़ाने तथा सीमा क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया। गोष्ठी के अंत में अपराध नियंत्रण, गिरफ्तारी, बरामदगी, विवेचना, अभियोजन एवं अन्य क्षेत्रों में सराहनीय कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया गया। विद्युत तार चोरी की घटना में पुलिस मुठभेड़ के दौरान पांच शातिर अपराधियों की गिरफ्तारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रभारी निरीक्षक नानपारा राजनाथ सिंह, उपनिरीक्षक ध्रुवनारायण मौर्य, उपनिरीक्षक सौरभ पाण्डेय, आरक्षी आलोक विक्रम सिंह, एसओजी/सर्विलांस प्रभारी राकेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक पूर्णेश नारायण पाण्डेय, उपनिरीक्षक राशिद अली, हेड कांस्टेबल अजीत चन्द, हेड कांस्टेबल मो. अख्तर, हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार कुशवाहा, हेड कांस्टेबल सुधीर कुमार एवं कांस्टेबल नरोत्तमपुरी को सम्मानित किया गया। सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से 211

परिवार परामर्श केन्द्र ने दो परिवारों में कराया समझौता, टूटने से बचाए रिश्ते

संवाददाता बहराइच ब्यूरो 21 सितंबर। पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने एवं पारिवारिक विवादों का आपसी सहमति से समाधान कराने के लिए चलाए जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा दो परिवारों के बीच चल रहे विवाद का सफलतापूर्वक निस्तारण कराते हुए दोनों परिवारों को टूटने से बचाया गया। पारिवारिक विवाद के संबंध में पुलिस अधीक्षक के समक्ष सुलह-समझौते के लिए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किए गए थे, जिनके निस्तारण के लिए पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को आवश्यक निर्देश दिए गए। निर्देश के क्रम में परिवार परामर्श केन्द्र की टीम ने शिकायतकर्ता की समस्याओं एवं शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर समझा तथा दूसरे पक्ष से संपर्क कर उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र पर बुलाया। केन्द्र पर दोनों पक्षों की बातों को गंभीरता से सुनने के बाद आपसी मतभेदों को दूर करने के लिए समझाया-बुझाया गया। परामर्श एवं समझाइश के बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने तथा भविष्य में एक-दूसरे से लड़ाई-झगड़ा न करने का आश्वासन दिया। साथ ही दोनों पक्षों ने पारिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए आपसी प्रेम, सहयोग और सामंजस्य के साथ खुशी-खुशी साथ रहने की सहमति व्यक्त की। परिवार परामर्श केन्द्र की टीम ने दोनों पक्षों को भविष्य में आपसी सामंजस्य बनाए रखने तथा अपने पारिवारिक दायित्वों का सही प्रकार से निर्वहन करने की सलाह दी। इस प्रकार पुलिस के प्रयास से दो परिवारों में सुलह कराकर रिश्तों को टूटने से बचाया गया। समझौता कराने वाली टीम में हे0म0का0 संगीता यादव, म0आ0 गिरजावती, म0आ0 अनन्या सिंह, म0आ0 निशी त्रिवेदी एवं म0आ0 छाया द्विवेदी शामिल रहीं।

सक्षिप्त खबरें...

चोरी के दो मोबाइल के साथ गैंगस्टर व चोरी के मुकदमों का अभियुक्त गिरफ्तार

संवाददाता

बहराइच ब्यूरो 21 सितंबर। थाना हरदी पुलिस ने चोरी किए गए दो मोबाइल फोन के साथ गैंगस्टर एवं चोरी के कई मुकदमों में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी तथा क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष हरदी आलोक सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार थाना हरदी में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 331/2026 धारा 305(ए), 317(2) बीएनएस से संबंधित अभियुक्त राजा बाबू पुत्र अब्दुल कादिर निवासी कस्बा महाराजगंज, थाना हरदी, जनपद बहराइच को 20 सितंबर 2026 को वीरशाहपुर थाना हरदी क्षेत्र से दोपहर करीब दो बजे गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से चोरी किए गए दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक आरोपी के विरुद्ध थाना हरदी सहित जिले के विभिन्न थानों में चोरी, गैंगस्टर एक्ट, आबकारी अधिनियम, मारपीट तथा मोटर वाहन अधिनियम से संबंधित कुल 11 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें थाना हरदी के वर्ष 2020, 2021, 2024 व 2025 के कई मामले शामिल हैं, जबकि थाना खैरीघाट, कोतवाली देहात, नानपारा और रामगांव में भी उसके विरुद्ध मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। गिरफ्तारी टीम में उपनिरीक्षक जितेन्द्र कुमार तथा कांस्टेबल सुनील कुमार राजभर शामिल रहे। पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

बहराइच 21 सितंबर। कोतवाली नानपारा पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार 3 सितंबर 2026 को मसूदनगर बरथनवा निवासी महिला ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसकी करीब 19 वर्षीय पुत्री आमना उर्फ मोना के साथ आरोपी शाहरुख खान पुत्र भूरकी निवासी मैना नेवरिया थाना कोतवाली नानपारा शादी का झांसा देकर बातचीत शुरू की और करीब एक वर्ष से उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। शादी से इनकार करने पर पीड़िता की तहरीर के आधार पर कोतवाली नानपारा में मुकदमा अपराध संख्या 326/2026, धारा 69, 351(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। विवेचना के दौरान 21 सितंबर को पुलिस को मिली सूचना के आधार पर मुकदमे में वांछित आरोपी शाहरुख खान को पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपी को पकड़ा देवरिया मोड़, थाना नानपारा के पास से करीब 12꞉30 बजे गिरफ्तार किया। आवश्यक विधिक कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक गुरसेन सिंह, उपनिरीक्षक राम सुधार यादव, हेड कांस्टेबल राधेश्याम यादव तथा कांस्टेबल हेमंत कश्यप शामिल रहे।

स्वामी, एवं प्रकाशक देवेन श्याम द्वारा राम प्रिंटिग प्रेस, न्यू यादव बाजार इटौली काकोरी, लखनऊसे मुद्रित करवाकर कार्यालय एच०आई०जी०-ए10/2, टिकैत राय, एल०डी०ए कालोनी, राजाजीपुरम् लखनऊ-17 से प्रकाशित । सम्पादक: अवंतिका देवेन श्याम मो०नं०-9580629657 Email-yugsrishti02gmail.com, https://yugsrishti.com/ info@yugsrishti.com , पी.आर.बी. एक्ट के तहत इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारो के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय मान्य ।

सैन्य अधिकारी की पत्नी का रोल एक अलग अनुभव, उनमें ताकत और डर का मिश्रण : चित्रांगदा सिंह

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह अपकमिंग फिल्म %बैटल ऑफ गलवान% में एक सैन्य अधिकारी की पत्नी के किरदार में नजर आएंगी। इस रोल की तैयारी के दौरान उन्होंने मिलिट्री परिवारों की महिलाओं की ताकत और अंदरूनी भावनात्मक डर को गहराई से समझा। चित्रांगदा ने कहा कि इस किरदार ने उन्हें अपनी मां और ऐसी तमाम महिलाओं के संघर्ष को बेहतर तरीके से महसूस कराया। एक इंडियन आर्मी ऑफिसर की बेटी होने के नाते चित्रांगदा को यूनिफॉर्म, बार-बार पोस्टिंग और अनुशासित जीवन की आदत पहले से थी। लेकिन फिल्म के लिए आर्मी पत्नियों से मिलने और उनकी कहानियां सुनने के बाद उन्होंने कहा, ÷मेरे पिता आर्मी में थे, उनकी कहानियां सुनना मेरे लिए सामान्य था। लेकिन एक आर्मी पत्नी का रोल निभाना बिल्कुल अलग अनुभव है। जब मैं उन महिलाओं से मिली, तो मुझे अपनी मां की खामोशी, गर्व और चिंता का मिश्रण समझ आया।÷ चित्रांगदा ने आगे कहा, ÷ये महिलाएं हर दिन ताकत और डर दोनों को अपने अंदर संजोकर रखती हैं। मैंने रोल में सिर्फ हिम्मत या मुस्कान नहीं, बल्कि उस भावना को भी दिखाने की कोशिश की, जहां दिल टूटने के बावजूद खुद को संभालना सीखना पड़ता है।÷

फिल्म में वह उन भारतीय महिलाओं का प्रतीक बनती दिखेंगी, जो वर्दी पहने सैनिकों के पीछे मजबूती से खड़ी रहती हैं। फिल्म में चित्रांगदा, सलमान खान के किरदार के लिए इमोशनल सहारा बनती हैं। वह कहानी में कोमलता, गरिमा और स्थिरता का पुट लाती नजर आएंगी।

%बैटल ऑफ गलवान% 15 जून 2020 को गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प पर आधारित है। यह टकराव लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (एलएसी) पर हुए बड़े सीमा विवाद का हिस्सा था। इस लड़ाई में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

अपूर्व लाखिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। चित्रांगदा सिंह और सलमान खान के साथ फिल्म में अंकुर भाटिया, अभिलाष चौधरी, विपिन भारद्वाज और सिद्धार्थ जैसे सितारे नजर आएंगे।

श्रुति हासन : विरासत से नहीं, टैलेंट से बनीं सफल अभिनेत्री और गायिका

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है। 1986 में जन्मीं श्रुति हासन, भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता कमल हासन और मशहूर अभिनेत्री सारिका ठाकुर की बेटी हैं। हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म %चाची 420% (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म %हे राम% में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम %रामा रामा% भी गाई।

एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म %अनागनगा ओ धीरुडु% (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। %रेस गुर्रम% (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं।

हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने %डी-डे%, %रामैया वस्तावैया%, %गब्बर इज बैक%, %वेलकम बैक%, %रॉकी हैंडसम% जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं। साल 2009 में उन्होंने अपने पिता के प्रोडक्शन %उन्नैपोल ओरुवन% से बतौर म्यूजिक डायरेक्टर भी डेब्यू किया। इसके बाद उन्होंने अपना खुद का म्यूजिक भी तैयार किया और बैंड के जरिए अपनी अलग पहचान बनाई।

मन और चेतना के स्तर पर रोगोपचार

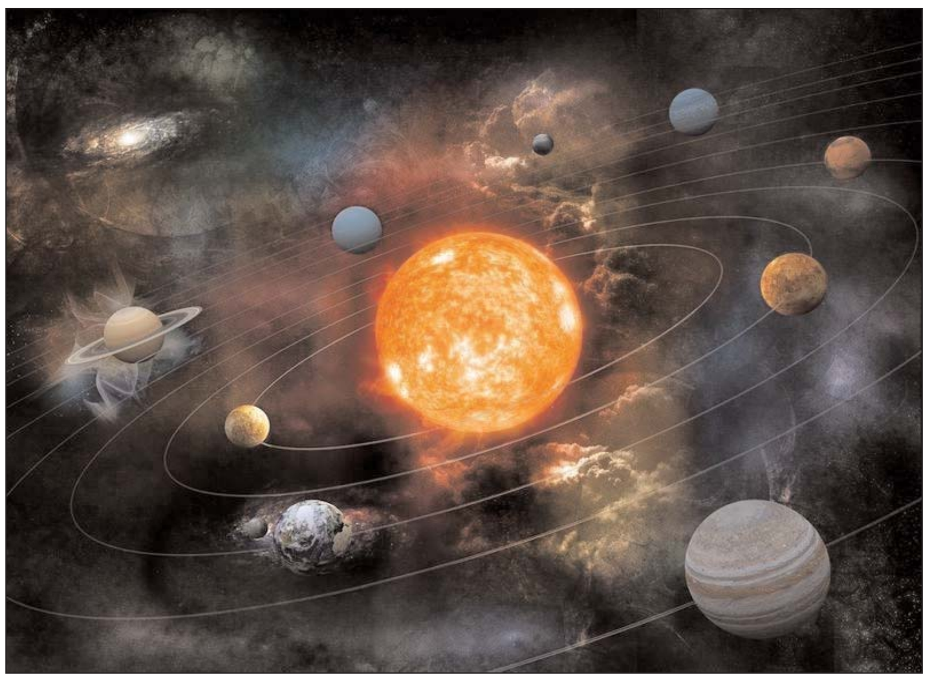

वैदिक दृष्टि में रोग केवल भौतिक शरीर तक सीमित नहीं। उसके कारण मन और चेतना के गहरे स्तरों में छिपे होते हैं। इलाज का ये ढंग रोग के कारण के साथ उपचार के उपाय भी सुझाता है। यानी ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव संतुलित करना और चेतना जाग्रत करना। मान्यता है जब कोई विशेषज्ञ रोग का ग्रहजन्य कारण पहचान लेता है, तो मानसिक, शारीरिक रोगों के उपचार में मदद मिलती है।

आज का दौर विज्ञान और चिकित्सा की बड़ी उपलब्धियों का है। इसके बावजूद अवसाद, चिंता, मानसिक तनाव, अनिर्णय और जीवन से असंतोष जैसी समस्याएं लगातार बढ़ रही हैं। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या रोग केवल शरीर तक सीमित हैं, या उनके कारण मन और चेतना के गहरे स्तरों में छिपे हुए हैं। वैदिक चिकित्सा ज्योतिष की अवधारणा इसी प्रश्न का उत्तर खोजने का प्रयास करती है। वैदिक दृष्टि में मनुष्य केवल एक भौतिक शरीर नहीं है। वह स्थूल शरीर के साथ-साथ सूक्ष्म शरीर और कारण शरीर से भी बना है। सूक्ष्म शरीर में मन, विचार, भावनाएं और प्राणशक्ति शामिल हैं, जबकि कारण शरीर चेतना और आत्मबोध का आधार है। आत्मा इन सबसे परे, शाश्वत और अविनाशी सत्ता मानी गई है। ज्योतिष शास्त्र में चंद्रमा को मन का प्रतीक माना गया है। मन की स्थिरता, प्रसन्नता, सोचने की क्षमता और निर्णय लेने की शक्ति चंद्रमा की स्थिति पर निर्भर मानी जाती है। ज्योतिष के मुताबिक यदि चंद्रमा पर शनि, राहु, केतु या मंगल जैसे ग्रहों का नकारात्मक प्रभाव हो, तो व्यक्ति मानसिक रूप से कमजोर, भयग्रस्त या निष्क्रिय हो सकता है। ऐसी स्थिति में मनुष्य सही और गलत को जानते हुए भी सही निर्णय नहीं ले पाता। वह जीवन को जैसे 'ऑटो-पायलट मोड' में जीने लगता है- जहां कर्म होते तो हैं, लेकिन चेतना जाग्रत नहीं होती। वैदिक परंपरा इसे ग्रहों के प्रभाव में जीना कहती है। परमहंस योगानंद की प्रसिद्ध पुस्तक 'ऑटोबायोग्राफी ऑफ ए योगी' में उनके गुरु श्री युक्तेश्वर गिरि का एक प्रेरक प्रसंग आता है। उनके एक शिष्य

व्हील ऑफ फॉर्च्यून में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, श्रेयस तलपड़े फिर एक साथ आए नजर

सुपरहिट फिल्म हाउसफुल 2 के स्टार अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और श्रेयस तलपड़े गेम शो %व्हील ऑफ फॉर्च्यून% में एक बार फिर साथ नजर आए। इस शो को अक्षय कुमार होस्ट कर रहे हैं। इसे लेकर एक्टर रितेश देशमुख ने कहा, ÷अक्षय कुमार के साथ यह गेम खेलना इसे और भी खास बनाता है। उनका चार्म, हाजिरजवाबी और सहजता हर पल को बेहतर बना देती है। मुझे क्लू समझने, हंसने और इस रोमांचक फॉर्मेट में बहुत मजा आया। व्हील ऑफ फॉर्च्यून एक ऐसा शो है जो आपके दिमाग को दौड़ाता रहता है जबकि आपका दिल हंसता रहता है। हर स्पिन एक नया सरप्राइज लाता है, और सेट पर एनर्जी दिखती है।÷ जेनेलिया देशमुख, जो रितेश के साथ शो में आई थीं, ने कहा, ÷अक्षय कुमार के साथ सेट पर होना बहुत अच्छा अनुभव था। उनकी एनर्जी माहौल को बहुत जीवंत और गर्मजोशी वाला बना देती है। यह सच में हाजिरजवाबी, हंसी और शानदार मनोरंजन का जश्न जैसा लगा। एक ऐसा शो जो इंटेलिजेंस को प्योर फन के साथ मिलाता है, उसमें कुछ बहुत ही खुशी देने वाला होता है, और व्हील ऑफ फॉर्च्यून इसे खूबसूरती से करता है। सही शब्दों का अनुमान लगाने के रोमांच से लेकर हर स्पिन के थ्रिल तक, यह आपको पूरी तरह से बांधे रखता है।÷

एक्टर श्रेयस तलपड़े, जो अक्षय और रितेश के साथ फिल्म हाउसफुल 2 का भी हिस्सा थे, ने कहा, ÷अक्षय दादा के साथ स्टेज शेयर करना हमेशा एक शानदार अनुभव होता है। उनकी फुर्ती और तेज दिमाग तुरंत एक्साइटमेंट लेवल को बढ़ा देते हैं। यह शो सस्पेंस, फन और हाई-एनर्जी गेमप्ले का एक परफेक्ट मिक्स

जोखिम से बचाएगी वार्मअप की आदत

सर्दियों में ठंड के बहाने व आलस के चलते कई लोग व्यायाम बिल्कुल छोड़ देते हैं। वहीं कुछ लोग सीधे हैवी एक्सरसाइज करते हैं। दोनों ही मामलों में नियमित तौरपर सुबह 10 से 15 मिनट वार्मअप जरूर करना चाहिए। जो लोग नियमित एक्सरसाइज करें, उन्हें भी पहले 8 से 10 मिनट तक हल्का वार्मअप करना जरूरी है। यानी गर्दन, कंधे, घुटने और टखने घुमाना, स्पॉट वॉकिंग व हल्की जॉगिंग करें।

ठंड के मौसम में में भले आप रेगुलर एक्सरसाइज न करें, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इस दौरान वार्मअप करना कभी नहीं भूलना चाहिए और एक्सरसाइज भी बिना वार्मअप के नहीं करनी चाहिए। वार्मअप करने के कई लाभ हैं, इससे मांसपेशियों में खिंचाव आता है, घुटने और कमर की जकड़न दूर होती है, हार्ट पर मौसम के बने दबाव में कमी आती है और शरीर सक्रिय रहता है। नियमित तौरपर सुबह 10 से 15 मिनट वार्मअप जरूर करना चाहिए वहीं जो लोग नियमित एक्सरसाइज करें, उन्हें भी एक्सरसाइज के पहले 8 से 10 मिनट तक हल्का वार्मअप करना जरूरी है। यानी गर्दन, कंधे, घुटने और टखनों का घुमाना, स्पॉट वाकिंग, हल्की जॉगिंग जरूरी है। बिना इस वार्मअप सेशन से गुजरे सूर्य नमस्कार या पुशअप करने से बचें।

समय का भी रखें ख्याल

ष्ठङ्कश्चत्रक्षढ्ढस्श्वरूश्चहञ्ज

अगर आप साल के दूसरे मौसम में सुबह 5 से 6 बजे एक्सरसाइज करते हैं या वार्मअप करते हैं तो सर्दियों में यह समय बदल लें। सर्दियों में कम से कम सुबह 8.30 से 10.30 के बीच एक्सरसाइज या वार्मअप के लिए समय रखना चाहिए। अगर सुबह संभव न हो तो शाम को 4.30 से 6.30 के बीच फिटनेस के इस रुटीन को पूरा करें। कोहरे और धुंध से भरी सुबहों में हाई इंस्टेंट सिटिंग एक्सरसाइज से हर हाल में बचना चाहिए। इस दौरान ज्यादा सस्टनेबल फिटनेस को अपनाना चाहिए। मसलन- 30 से 40 मिनट तक तेज-तेज चलें। 5 से 8 राउंड सूर्य नमस्कार की करें। प्राणायाम में अनुलोम-विलोम और भ्रामरी करना चाहिए। बॉडी वेट के लिए हल्की स्ट्रैंथ ठीक है। इस दौरान कुछ विशेष फिटनेस गतिविधियों से बचना चाहिए जैसे अचानक रनिंग करना, बहुत ठंड में साइकिलिंग करना तथा बिना दस्ताने, मोजे जिम वर्कआउट से भी बचना चाहिए। फटनेस एक्सरसाइज के दौरान पहने जाने वाले कपड़ों पर भी गौर करना चाहिए। क्योंकि गलत कपड़े फिट रहने की कोशिशों पर तो पानी फेरते ही हैं, उल्टे यह शरीर के लिए बहुत नुकसादायक भी होते हैं। कड़ाके की सर्दियों के दिनों में लेयरिंग करें यानी इनर के ऊपर स्वेटर और उसके ऊपर जैकेट भी पहनें। सिर, कान और पैरों को बिल्कुल ढककर रखें। ज्यादातर हार्ट स्ट्रोक या स्ट्रोक ट्रिगर ऐसी ही लापरवाहियों का नतीजा होते हैं, जब हम सर्दियों में लेयरिंग करने में आलस करते हैं। एक्टीविटीज के चलते खूब सारा पसीना आ जाए तो तुरंत कपड़े बदलने चाहिए। पसीने को अपने शरीर में सुखाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

पानी पीना न भूलें

अकसर कोहरे और ठिठुरन से भरे दिनों में लोग कम से कम पानी पीने की कोशिश करते हैं। जो लोग फिट रहने के लिए एक्सरसाइज करते हैं, उन्हें भी और जो एक्सरसाइज नहीं करते उन्हें इस गलती से बचना चाहिए। क्योंकि सर्दियों में जब शरीर में जरूरत से कम पानी हो जाता है, तो केवल सर्दी ही ज्यादा नहीं लगती बल्कि कई दूसरी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां खड़ी हो जाती हैं। हार्ट अटैक और स्ट्रोक सर्दियों में इसलिए ज्यादा आते हैं, क्योंकि लोग धोखे में या जानबूझकर पानी पीना भूल जाते हैं। दिन में अमूमन 7 से 8 गिलास पानी पीना जरूरी है। अगर ठंड लग रही है, रूम टैम्परेचर का भी पानी नहीं पिया जा रहा तो गुनगुना पानी पीएं।

ये बातें भी रखें ध्यान में

सर्दियों मे पसीना नहीं आता, विशेषकर कड़क ठंड के मौसम में। फिर भी सीढ़ी चढ़ना, हल्का योग करना और तेज-तेज चलना जारी रखें। यह नहीं समझना चाहिए कि पसीना नहीं आता तो एक्सरसाइज का क्या फायदा है।